MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | शुक्रवार, 04 सितंबर, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-244

जेलेंस्की का दावा

जयशंकर को रूसी हमले में बचाया!

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)।
विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के तरीकों और शांति स्थापित करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। जयशंकर ने कहा कि भारत युद्ध समाप्त कराने और शांति स्थापित करने के लिए हरसंभव मदद देने को तैयार है। मुलाकात के बाद उन्होंने रूसी ड्रोन हमले के बीच भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सुरक्षित रहने की जानकारी भी दी।

भारत के रुख के लिए जेलेंस्की ने जताया आभार

विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भारत के स्पष्ट रुख के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन इस अन्यायपूर्ण युद्ध को समाप्त करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता का आभारी है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है, बल्कि शांति की आवश्यकता है और यही भारत का स्पष्ट रुख है।

जेलेंस्की ने बताया कि जब विदेश मंत्री जयशंकर कीव में उनके साथ थे, उसी दौरान रूस ने ईरान निर्मित 'शाहेद' ड्रोन से फिर हमला किया। हालांकि, यूक्रेनी वायुसेना के लड़ाकू विमानों की सतर्कता के कारण प्रतिनिधिमंडल सुरक्षित रहा।

काला सागर में हमलों पर जताई चिंता

जेलेंस्की ने काला सागर में वाणिज्यिक जहाजों और खाद्य आपूर्ति गलियारों पर रूसी हमलों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा की रक्षा के लिए दुनिया की प्रमुख शक्तियों को एकजुट होकर प्रयास करना होगा।

युद्ध समाप्ति के लिए बातचीत ही रास्ता : जयशंकर

जेलेंस्की से मुलाकात से पहले जयशंकर ने यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ व्यापक बातचीत की। संयुक्त बयान में उन्होंने कहा कि भारत लगातार यह मानता रहा है कि यह युद्ध का दौर नहीं है और युद्ध के मैदान से किसी समस्या का समाधान नहीं निकलेगा।

जयशंकर ने कहा कि उनकी यूक्रेन यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष तेज हो रहा है। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले कीव में हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की भी मौत हुई थी। उन्होंने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि संघर्ष में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति की मौत बेहद दुखद है।

यूक्रेन को भारत की मानवीय सहायता जारी

जयशंकर ने बताया कि भारत यूक्रेन को लगातार मानवीय सहायता देता रहा है और अब तक 19 खेप मानवीय सहायता भेजी जा चुकी हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार पर भी चर्चा हुई।उन्होंने कहा कि भारत और यूक्रेन के बीच दवाइयों, खाद्य एवं कृषि उत्पादों, उर्वरकों, मशीनरी, रसायनों और उपभोक्ता वस्तुओं सहित कई क्षेत्रों में व्यापार होता है। हालांकि, युद्ध और रसद संबंधी चुनौतियों के कारण पिछले चार वर्षों में व्यापार प्रभावित हुआ है। इसके बावजूद व्यापार में मजबूती दिखाई दी है और कुछ नए अवसर भी सामने आए हैं।

कोंडा सुरेखा बर्खास्त

बेटी ने रेवंत पर लगाया था उगाही का आरोप

रेवंत रेड्डी

कोंडा सुरेखा

सुष्मिता पटेल

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिपरिषद से हटाने की सिफारिश की। यह कदम उनकी बेटी सुष्मिता पटेल द्वारा मुख्यमंत्री समेत कई कांग्रेस नेताओं पर लगाए गए कथित 200 करोड़ रुपये की जमीन उगाही के आरोपों को लेकर उठे विवाद के बीच सामने आया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सुरेखा को मंत्रिपरिषद से हटाने की सिफारिश गुरुवार को ही राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को भेज दी गई।

सुरेखा के पास वन, पर्यावरण और बंदोबस्ती विभाग थे। हालांकि, बर्खास्तगी के बाद उन्होंने अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर स्पष्ट किया कि वह कांग्रेस नहीं छोड़ेंगी और विधायक के रूप में काम करती रहेंगी।

'ब्लैकमेलिंग की राजनीति के कारण हटाया गया'

बर्खास्तगी के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में सुरेखा ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि उन्हें मुख्यमंत्री की ''ब्लैकमेलिंग की राजनीति'' के कारण मंत्रिमंडल से हटाया गया। सुरेखा के अनुसार, रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस आलाकमान को कथित तौर पर धमकी दी थी कि यदि उन्हें मंत्रिमंडल से नहीं हटाया गया तो वह स्वयं पार्टी छोड़ देंगे।

सुरेखा ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान का उन्हें हटाने का कोई इरादा नहीं था। अपनी बेटी के बयानों के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराए जाने पर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें बिना कोई स्पष्टीकरण मांगे ही पद से हटा दिया गया।

'कांग्रेस नहीं छोड़ूंगी, विधायक के रूप में काम करूंगी'

सुरेखा ने कहा कि उन्होंने किसी ''प्लान बी'' पर विचार नहीं किया है और वह कांग्रेस विधायक के रूप में काम करती रहेंगी। उन्होंने अपने और अपने पूर्व विशेष कार्य अधिकारी एन. सुमंत के खिलाफ साजिश रचे जाने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि वह रेवंत रेड्डी या कांग्रेस की आलोचना नहीं कर रही हैं, लेकिन सवाल यह है कि उनकी बेटी की टिप्पणियों के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों की गई, जबकि पार्टी नेतृत्व की आलोचना करने वाले अन्य नेताओं को महत्वपूर्ण पद दिए गए हैं।सुरेखा ने अपनी बर्खास्तगी को अपमानजनक बताते हुए आरोप लगाया कि पिछड़े वर्ग की महिला होने के कारण उन्हें निशाना बनाया गया।पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि मंत्री रहते हुए उन्हें अपने विभागों से जुड़े अधिकारों से वंचित कर दिया गया था और कई फैसले उनकी जानकारी एवं भागीदारी के बिना लिए जा रहे थे। उन्होंने दावा किया कि कई मंत्री और विधायक सरकार के कामकाज से असंतुष्ट हैं।

सुरेखा ने कहा कि विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्य कराने में असमर्थ हैं और अधूरे चुनावी वादों के कारण जनता में नाराजगी है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण कराने की सलाह दी। सुरेखा ने कहा कि सत्ता में दोबारा वापसी के लिए कांग्रेस को बड़े बदलाव करने होंगे।

▶8पर

नीट दोबारा नहीं याचिका खारिज

याचिकाकर्ता पर 25 हजार का जुर्माना

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को नीट पीजी-2026 की दोबारा परीक्षा कराने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता और उसके वकील को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। पीठ ने कहा कि कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग को लेकर संबंधित वकील के खिलाफ कार्रवाई के लिए वह भारतीय विधिज्ञ परिषद से सिफारिश करेगी।

'हर परीक्षा पर याचिका क्यों?'

सुनवाई के दौरान पीठ ने वकील से सवाल किया कि ऐसा लगता है कि संबंधित व्यक्ति पूर्णकालिक जनहित याचिका याचिकाकर्ता बन गया है और जहां भी परीक्षाएं होती हैं, वहां याचिका दायर करने लगता है। पीठ ने पूछा कि पहले परीक्षा पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका क्यों दायर की गई थी और क्या यह याचिकाकर्ता की वास्तविक रुचि थी या किसी के कहने पर याचिका दाखिल की गई। पीठ ने यह भी कहा कि वह भारतीय विधिज्ञ परिषद से वकील के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहेगी।

दोबारा परीक्षा की क्यों उठी मांग?

याचिकाकर्ता की ओर से सभी अभ्यर्थियों के लिए नीट पीजी-2026 की दोबारा परीक्षा कराने की मांग की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए उस आदेश का उल्लंघन हुआ है, जिसमें नीट पीजी परीक्षा एक ही पाली में कराने का निर्देश दिया गया था। ▶8पर

जीडीपी गड़बड़

वर्ल्ड बैंक अधिकारी बोला-ग्रोथ सही

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)।
वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था की विकास दर 7.8 प्रतिशत दर्ज होने के बाद जीडीपी के आंकड़ों को लेकर बहस तेज हो गई है। सरकार इसे अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति का संकेत बता रही है, जबकि पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने जीडीपी के आंकड़ों और उनकी गणना की नई पद्धति पर सवाल उठाए हैं। वहीं, विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक नीलकंठ मिश्रा ने इन दावों को खारिज करते हुए नई जीडीपी श्रृंखला का बचाव किया है।

नई जीडीपी श्रृंखला बनी विवाद की वजह

फरवरी 2026 में सरकार ने जीडीपी की नई श्रृंखला जारी की थी। इसमें आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 किया गया। इसके साथ आंकड़े जुटाने और उनकी गणना के तरीकों में भी बदलाव किया गया।

सुभाष चंद्र गर्ग ने विशेष रूप से जून 2025 की तिमाही के मौजूदा कीमतों पर आधारित जीडीपी आंकड़े में करीब 6 लाख करोड़ रुपये की कमी का मुद्दा उठाया है। उनका तर्क है कि यदि पुराने आंकड़ों को आधार बनाया जाए तो जून 2026 की विकास दर का आंकड़ा काफी अलग होगा और यह करीब 2.6 प्रतिशत रह सकता है। उनका यह दावा सरकार द्वारा बताए गए 7.8 प्रतिशत विकास दर के आंकड़े के बिल्कुल विपरीत है।

कांग्रेस ने भी सरकार को घेरा

कांग्रेस ने भी जीडीपी के आंकड़ों को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी का आरोप है कि नई जीडीपी श्रृंखला और आंकड़ों में बदलाव के जरिए अर्थव्यवस्था की तस्वीर को जरूरत से ज्यादा मजबूत दिखाया जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि केवल जीडीपी बढ़ने से आम लोगों की आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं होती। रोजगार, आय, खपत और लोगों की बचत जैसे पहलुओं को भी आर्थिक स्थिति का आकलन करते समय देखा जाना चाहिए।

नीलकंठ मिश्रा ने कहा- आंकड़ों को समझे बिना तुलना गलत

इस विवाद के बीच विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक नीलकंठ मिश्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जीडीपी के आंकड़ों का बचाव किया। उन्होंने नई जीडीपी श्रृंखला पर सवाल उठाने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें ''अल्पज्ञानी और बेहद गलत दावों'' को देखकर हैरानी होती है। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी को पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग और कांग्रेस के दावों से जोड़कर देखा जा रहा है।मिश्रा ने कहा कि नई श्रृंखला में हुए बदलाव को समझे बिना पुराने और नए आंकड़ों की तुलना करना उचित नहीं है। उनके अनुसार, नई श्रृंखला में आंकड़े जुटाने और अर्थव्यवस्था की वास्तविक गतिविधियों को मापने की प्रक्रिया को बेहतर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि गलत जानकारी कई बार सही जानकारी से ज्यादा तेजी से फैलती है, इसलिए सही तथ्यों को बार-बार सामने रखना जरूरी है।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 23^0

FCRA बिल समिति

भाजपा के संजय जायसवाल अध्यक्ष

संजय जायसवाल

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)।
लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 की जांच के लिए 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल हैं। भाजपा सांसद संजय जायसवाल को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति को संसद के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक अपनी रिपोर्ट लोकसभा को सौंपनी है। समिति में भाजपा के 14 और कांग्रेस के पांच सदस्य हैं। इसके अलावा जनता दल (यूनाइटेड), तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के दो-दो सदस्य तथा समाजवादी पार्टी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, शिव-सेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और तेलुगु देशम पार्टी के एक-एक सदस्य शामिल हैं।

लोकसभा से समिति में संजय जायसवाल, भर्तृहरि महताब, तेजस्वी सूर्या, कमलेश जांगड़े, मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल, निशिकांत दुबे, विष्णु दयाल राम, अनंत नायक, अरविंद धर्मपुरी, एंटो एंटनी, कैप्टन विरियाटो फर्नांडीस, मुहम्मद हमदुल्ला सईद, काली चरण मुंडा, जिया उर रहमान, कल्याण बनर्जी, ए. राजा, लावू श्री कृष्ण देवरायालू, नरेश गणपत म्हस्के, कौशलेंद्र कुमार, सुप्रिया सुले और ई. टी. मोहम्मद बशीर शामिल हैं।

राज्यसभा से सी. सदानंदन मास्टर, हर्षवर्धन श्रृंगला, उज्ज्वल देवराव निकम, अलका गुर्जर, सत पॉल शर्मा, प्रफुल्ल पटेल, संजय कुमार झा, क्रिस्टोफर माणिकम, मेनका गुरुस्वामी और पी. विल्सन समिति के सदस्य हैं। सरकार ने विदेशी अंशदान से जुड़े कानून में बदलाव के लिए विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन ▶8पर

यूएस पलटवार : 3 ईरानी पायलट मारे

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)।
अमेरिकी हमलों में ईरान को बड़ा नुकसान पहुंचा है। ईरानी मीडिया के अनुसार, दो रात पहले हुए अमेरिकी हमले में ईरान के तीन सैन्य पायलट मारे गए। मृतकों की पहचान ईरानी नौसेना के पायलट मोजतबा बघेरी और हामिद ओकाती तथा वायुसेना के पायलट हुसैन महदावियन के रूप में की गई है। यह जानकारी ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम न्यूज ने दी है।हालांकि, हमले की सटीक जगह, इसमें शामिल विमान और पायलटों की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

ईरान देगा उम्मीद से परे जवाब

अल जजीरा के अनुसार, ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा अरेफ ने कहा है कि अमेरिकी हमलों ने तेहरान की सुरक्षा और रक्षा रणनीतियों में बदलाव किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान का जवाब अमेरिका की उम्मीदों से परे होगा। अरेफ ने एक्स पर कहा कि अमेरिकियों को पेट्रोल और ईंधन का भंडार बढ़ाने के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए। उनके अनुसार, अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किल दिन आने वाले हैं।

ट्रंप बोले- किसी भी समय हमला करने को तैयार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अमेरिका ईरान पर किसी भी समय हमला करने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं है कि यह लड़ाई बहुत लंबे समय तक चलेगी। अमेरिका ने सितंबर 2026 में ईरान के खिलाफ हमलों की नई कार्रवाई शुरू की है। अमेरिकी पक्ष के अनुसार, यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों और अमेरिकी बलों पर हुए हमलों के जवाब में की गई। ▶8पर

बांग्लादेश की लेक सिटी रंगामती में बरसात की मार, कपताई झील पर बना हैंगिंग ब्रिज डूबा

ढाका (बांग्लादेश)

देश में लेक सिटी के नाम से मशहूर और प्रमुख पर्यटक स्थल रंगामती में कपताई झील पर बना हैंगिंग ब्रिज (झूलता पुल) डूब गया है। कई दिनों की भारी बारिश और पहाड़ियों से आए पानी की वजह से कपताई झील का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। बांग्लादेश पर्यटन निगम ने सुरक्षा कारणों से पुल के आसपास जाने पर रोक लगा दी है।

प्रवेश द्वार पर लाल झंडा लगाते हुए बांस की बैरिकेडिंग की गई है। रंगामती देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में चटगांव डिवीजन में आता है।

रिपोर्ट के अनुसार, पुल के बंद हो जाने से जानकारी के अभाव में पहुंच रहे पर्यटकों का निराशा का सामना करना पड़ रहा है। इससे स्थानीय पर्यटन उद्योग को भी झटका लगा है। यह झील बांग्लादेश की सबसे बड़ी कृत्रिम (मानव निर्मित) झील है। यह कर्णफुली नदी पर बने कपताई बांध के कारण अस्तित्व में आई। 335 फीट लंबे खूबसूरत पुल को रंगामती पर्यटन का प्रमुख प्रतीक माना जाता है। यह पुल झील के बीच में स्थित दो पहाड़ियों को आपस में जोड़ता है। पुल बंद हो जाने से स्थानीय बोट टर्मिनल पर इंजन वाली 100 से ज्यादा नावें बेकार खड़ी हैं। पारंपरिक कपड़े, टेक्सटाइल और हस्तशिल्प बेचने वाली दुकानें भी ग्राहकों के बिना सूनी हैं। कुछ व्यापारियों का कहना है कि बिक्री लगभग शून्य हो गई है। स्थानीय बोट ओनर्स एसोसिएशन के लीज होल्डर मोहम्मद फखरुल इस्लाम ने कहा कि यह समय उनकी आजीविका के लिए बहुत अहम है।

उन्होंने कहा, इस सीजन में आने वाले पर्यटकों की वजह से हमारे परिवारों का साल भर का खर्च चलता है। लेकिन पुल के डूबने के बाद से हमारी कमाई पूरी तरह बंद हो गई है। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो हमें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। होटल मालिक मोहम्मद सुमन मिया ने कहा कि हैंगिंग ब्रिज रंगामती आने वाले पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षणों में से एक है। उन्होंने कहा, बहुत से पर्यटक पुल देखने के लिए ही रंगामती आते हैं। इसके डूबने के बाद से हर दिन होटल बुकिंग रग हो रही हैं। पर्यटकों की संख्या में कमी से होटलों, मोटलों और रेस्तरां को नुकसान हो रहा है। रंगामती टूरिज्म कार्पोरेशन के मैनेजर आलोक बिकास चकमा ने बताया कि भारी बारिश और पहाड़ियों से बहकर आए पानी की वजह से कपताई झील का जलस्तर बढ़ गया, जिससे पुल पानी में डूब गया। उन्होंने कहा, पर्यटकों की सुरक्षा के लिए हमने लाल झंडे लगा दिए हैं और बांस के बैरियर लगाकर रास्ता बंद कर दिया है। रंगामती जिला परिषद के चेयरमैन दीपन तालुकदार दीपू ने बताया कि एक नए पुल के निर्माण के लिए पहले ही सर्वे किया जा चुका है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि ज्यादा ऊंचाई पर एक नए, आधुनिक पुल का निर्माण जल्द ही शुरू हो जाएगा ।

न्यूज ब्रीफ

लंबे समय तक बैठे रहने से हृदय रोगों का खतरा: अध्ययन

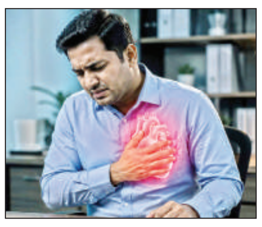

जिनेवा। कई वैज्ञानिक अध्ययनों में लंबे समय तक बैठे रहने और हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के बीच संबंध पाया गया है। जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक बैठा रहता है तो शरीर की गतिविधि काफी कम हो जाती है। पैरों और शरीर की बड़ी मांसपेशियां सक्रिय नहीं रहतीं और ऊर्जा खर्च होने की मात्रा भी घट जाती है। यदि यह आदत रोजमर्रा की दिनचर्या का हिस्सा बन जाए तो धीरे-धीरे वजन बढ़ने, उच्च रक्तचाप और रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में परेशानी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। ये सभी कारक लंबे समय में हृदय रोगों का जोखिम बढ़ा सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी लंबे समय तक बैठे रहने का समय कम करने और दिनभर अधिक शारीरिक रूप से सक्रिय रहने की सलाह देता है। लंबे समय तक बैठे रहने और हृदय स्वास्थ्य के संबंध पर कई अध्ययन किए गए हैं। वर्ष 2024 में एक शोध में लगभग 4.8 लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया था। शोध में पाया गया कि काम के दौरान अधिकांश समय बैठे रहने वाले लोगों में हृदय रोग से मृत्यु का खतरा उन लोगों की तुलना में अधिक था, जो काम के दौरान कम समय तक बैठे रहते थे। हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि रोजाना शारीरिक गतिविधि बढ़ाने और नियमित रूप से शरीर को सक्रिय रखने से इस जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। हृदय रोग का खतरा केवल लंबे समय तक बैठने पर निर्भर नहीं करता। उम्र, शरीर का वजन, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, धूम्रपान और खान-पान जैसी आदतें भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लेकिन जब लंबे समय तक बैठने के साथ रोजाना चलना-फिरना भी कम हो जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। कई घंटे एक ही स्थिति में बैठे रहने से पैरों में भारीपन, अकड़न और कुछ लोगों में हल्की सूजन की शिकायत भी हो सकती है।

ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर ट्रंप स्ट्रेट करने की इच्छा जताई

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर ट्रंप स्ट्रेट रखने का सुझाव दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अब अमेरिका का नियंत्रण है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के साथ अमेरिका का करीब छह महीने पुराना संघर्ष जारी है और क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा कि जब यह जलडमरूमध्य अमेरिका के नियंत्रण में है तो इसका नाम होर्मुज स्ट्रेट से बदलकर ट्रंप स्ट्रेट क्यों न कर दिया जाए। उन्होंने इसे अमेरिका की तरह और अधिक प्रभावशाली नाम बताते हुए अपनी बात रखी। इसके कुछ समय बाद व्हाइट हाउस ने भी सोशल मीडिया पर फारस की खाड़ी का एक नक्शा साझा किया, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को ट्रंप स्ट्रेट के नाम से चिह्नित किया गया था। पोस्ट में कहा गया कि इस नाम का अपना एक अलग आकर्षण है। ट्रंप का यह सुझाव भौगोलिक स्थलों के नाम बदलने को लेकर उनके हालिया रुख की कड़ी का हिस्सा है। अपने दूसरे कार्यकाल में कई भौगोलिक नामों को बदलने की पहल ट्रंप ने की है। इनमें मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर गल्फ आफ अमेरिका करना और उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी डेनाली का नाम फिर से माउंट मैकिन्ले करना शामिल है। हाल में उन्होंने कनाडा के साथ व्यापारिक तनाव के बीच लेक ओंटारियो का नाम लेक अमेरिका करने संबंधी आदेश भी जारी किया था।

वैज्ञानिकों ने प्राचीन शार्क के दांतों का बड़ा जीवाश्म भंडार खोजा

काहिरा। मिस्र के वैज्ञानिकों ने अबू-तरतूर पठार पर प्राचीन शार्क के दांतों का बड़ा जीवाश्म भंडार खोजने का दावा किया है। वैज्ञानिकों के इस दावे से क्षेत्र के भूवैज्ञानिक और समुद्री इतिहास के कई नए रहस्य उजागर किए हैं। खुदाई में शार्क की कम से कम सात अलग-अलग प्रजातियों के अवशेष मिलने के बाद वैज्ञानिक इसे प्राचीन समुद्री जीवन के महत्वपूर्ण साक्ष्यों में से एक मान रहे हैं। यह इलाका क्रेटेशियस काल के दौरान समुद्र का हिस्सा था। उस समय पृथ्वी का तापमान वर्तमान की तुलना में अधिक था और समुद्र का जलस्तर भी काफी ऊंचा था। उत्तरी अफ्रीका का बड़ा क्षेत्र पानी के नीचे था। बाद में भूगर्भीय बदलावों के साथ समुद्र पीछे हटता गया और कभी समुद्र तल रहा यह क्षेत्र धीरे-धीरे सूखे पठार और रेगिस्तान में बदल गया। हालांकि, चट्टानों और तलछटी परतों में दबे जीवाश्म आज भी उस खोई हुई समुद्री दुनिया की कहानी बयान कर रहे हैं।

पीएम मोदी की ईरान के राष्ट्रपति से मुलाकात पर भड़का अमेरिका

वाशिंगटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के बीच हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात अमेरिका को रास नहीं आई है। इस बैठक के तुरंत बाद, अमेरिका ने उन सभी देशों को चेतावनी जारी की है जो ईरान के साथ व्यापार करते हैं या उसे अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने में मदद करते हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि कोई भी देश ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने या कमाई के नए रास्ते बनाने में सहायता करता है, तो अमेरिका उस देश पर भी कड़े प्रतिबंध लगाएगा। रुबियो ने इस दौरान यह भी कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच कोई नया व्यापार समझौता हो रहा है, लेकिन उन्होंने अपनी चिंता साफ कर दी। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत एक संप्रभु देश है और उसे अपनी विदेश नीति तय करने तथा ईरान के साथ राजनयिक संबंध बनाए रखने का अधिकार है, लेकिन साथ ही आगाह किया कि ईरान को किसी भी प्रकार की सहायता नहीं पहुंचाई जानी चाहिए। रुबियो ने कहा, भारत अपनी विदेश नीति खुद तय करता है। लेकिन हमारी चिंता यह है कि कोई भी देश ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने में मदद न करे। कोई भी देश ईरान को ऐसे रास्ते बनाने में मदद नहीं करे, जिनसे वह पैसा कमा सके और इसका इस्तेमाल कर वह आतंकवाद को बढ़ावा दे और परमाणु हथियार बनाने की कोशिश करे। उन्होंने आगे चेतावनी देते हुए कहा, अगर कोई देश ऐसा करता है, तो हमें उस पर भी प्रतिबंध लगाने पड़ेंगे। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इससे पहले भी अमेरिका यूक्रेन युद्ध में रूस की आर्थिक मदद का आरोप लगाकर भारत पर मोटा टैरिफ लगा चुका है। अब एक बार फिर, अमेरिका ने अपनी नीतियों के उल्लंघन को लेकर भारत को परोक्ष रूप से धमकाने की कोशिश की है। इससे पहले, एससीओ समिट से इतर बिश्केक में हुई मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने भारत और ईरान के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच समुद्री व्यापार, नाविकों की सुरक्षा और जहाजों की आवाजाही जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था, बिश्केक में राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मुलाकात हुई। ईरान के साथ भारत की पुरानी दोस्ती को अलग-अलग क्षेत्रों में और मजबूत करने के हमारे संकल्प को दोहराया।

पीएम मोदी की तरह मेलोनी भी रचेंगी इतिहास, लंबे समय सरकार चलाने का बनेगा रिकार्ड

रोम। अब जार्जिया मेलोनी इटली में पीएम के तौर पर रिकार्ड बनाने जा रही हैं। मेलोनी की दक्षिणपंथी सरकार 4 सितंबर को इटली के दूसरे विश्व युद्ध के बाद इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाली सरकार बन जाएगी। यह एक बड़ी उपलब्धि है और खुद जार्जिया मेलोनी के लिए एक गुड न्यूज भी है। अगले साल होने वाले चुनाव से पहले मेलोनी के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं और ऐसे में यह उपलब्धि उनकी इमेज को बुस्ट देने का काम करेगी। बता दें पीएम नरेंद्र मोदी ने भी लंबे कार्यकाल का रिकार्ड बनाया है। इटली को कभी राजनीतिक अस्थिरता के लिए जाना जाता था। ऐसे देश की पहली महिला पीएम जार्जिया मेलोनी 4 सितंबर को एक ही सरकार को लगातार 1,413 दिन चला चुकी होंगी। यह पूर्व पीएम सिल्वियो बर्लुस्कोनी से एक दिन ज्यादा होगा। रिपोर्ट के मुताबिक बर्लुस्कोनी ने अपने चार कार्यकालों में से एक के दौरान 1,412 दिन तक सरकार चलाई थी। मेलोनी की दक्षिणपंथी पार्टी ब्रदर्स आफ इटली के प्रमुख नेता मार्को ओस्नाटो ने कहा कि यह उपलब्धि निश्चित रूप से गर्व की बात है। विश्लेषकों का कहना है कि यह रिकार्ड पीएम मेलोनी की इमेज को मजबूत कर सकता है। इटली में पिछले 80 साल में करीब 70 सरकारें बन चुकी हैं। अब देश 2027 में होने वाले राष्ट्रीय चुनाव की तैयारी कर रहा है। मेलोनी की पार्टी लगातार जनमत सर्वे में सबसे आगे चल रही है। ऐसा हो सकता है कि मेलोनी 2022 की अपनी चुनावी जीत को फिर दोहरा सकती हैं। मतदान से जुड़े एक संस्थान के मुताबिक हाल की घटनाओं ने मेलोनी के दोबारा चुनाव जीतने का रास्ता मुश्किल कर दिया है। इस साल न्याय व्यवस्था में सुधार से जुड़े जनमत संग्रह में हार से मेलोनी को झटका लगा था। इस नतीजे से पता चला कि मौजूदा सरकार चला रहे गठबंधन के अलावा भी देश में बहुमत हासिल करने वाला कोई दूसरा राजनीतिक विकल्प हो सकता है।

ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करने आ रहा नैंसी ग्रेस

वाशिंगटन

जेम्स वेब और हबल जैसे ऐतिहासिक मिशनों के बाद, नैंसी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप खगोल विज्ञान के भविष्य का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनने जा रहा है। यह महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष वेधशाला अभी तक अंतरिक्ष में लान्च नहीं हुई है, लेकिन अपने निर्धारित प्रक्षेपण की तैयारी के अंतिम चरण में है। रोमन का प्राथमिक लक्ष्य ब्रह्मांड में मौजूद डार्क एनर्जी और डार्क मैटर के रहस्यों को उजागर करना, साथ ही सुदूर ग्रहों की खोज करना है, जो वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड की अबूझ पहेलियों को सुलझाने में मदद करेगा।

यह मिशन ब्रह्मांड के विशाल हिस्से का एक व्यापक सर्वेक्षण करेगा। वैज्ञानिक करोड़ों आकाशगंगाओं का अध्ययन कर डार्क एनर्जी के प्रभाव को समझने का प्रयास करेंगे, जिसे ब्रह्मांड के लगातार तेज गति से विस्तार के पीछे की रहस्यमय शक्ति माना जाता है। इसके अतिरिक्त, रोमन डार्क मैटर के वितरण और संरचना पर भी महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र करेगा, जो ब्रह्मांड के निर्माण और विकास को समझने के लिए आवश्यक है। रोमन की एक और प्रमुख विशेषता एक्सोप्लैनेट की खोज है, जिससे हमारी सौर प्रणाली के बाहर मौजूद हजारों संभावित ग्रहों की पहचान हो सकेगी। इसमें एक विशेष कोरोनाग्राफ तकनीक भी शामिल है, जो तारों की चकाचौंध को रोककर उनके आसपास के ग्रहों और धूल के बादलों का सीधा अध्ययन करने की एक नई विधि का परीक्षण करेगी। हबल और जेम्स वेब की तुलना में, रोमन की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल वाइड फील्ड आफ व्यू (दृश्य क्षेत्र) है। जहां जेम्स वेब किसी विशिष्ट क्षेत्र की गहराई से जांच करने में माहिर है, वहीं रोमन एक साथ आकाश के बहुत बड़े हिस्से का सर्वेक्षण कर पाएगा। रोमन पूरे क्षेत्र की तस्वीर देगा, जबकि वेब किसी खास खगोलीय वस्तु की बारीकी से पड़ताल करेगा। रोमन का प्राथमिक दर्पण हबल के दर्पण के लगभग समान आकार का है, लेकिन इसकी आधुनिक तकनीक और विशाल कैमरा क्षमता इसे सर्वेक्षण के लिए अनूठा बनाती है। इसका वाइड फील्ड इंस्ट्रूमेंट हबल की तुलना में एक साथ कहीं अधिक बड़े आकाशीय क्षेत्र का अवलोकन कर सकेगा, जिससे वैज्ञानिक कम समय में भारी मात्रा में खगोलीय डेटा जुटा पाएंगे। मिशन को पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर सूर्य-पृथ्वी एल-2 लैग्रेंज बिंदु के आसपास स्थापित करने की योजना है, जो वही क्षेत्र है जहां जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप भी कार्यरत है। यहां अंतरिक्ष का अपेक्षाकृत स्थिर और ठंडा वातावरण इंफ्रारेड अवलोकन के लिए अनुकूल माना जाता है।

फिलिस्तीनियों से गाजा को खाली कराना ही समस्या का एकमात्र हल: इजराइली रक्षामंत्री काट्ज

तेल अवीव। इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि इजराइल अभी भी फिलिस्तीनियों को गाजा से हटाना चाहता है। इस इलाके से फिलिस्तीनियों को हटाए बिना गाजा समस्या का असली समाधान नहीं होगा। इजराइल अभी भी इस मोर्चे पर लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सिर्फ उस योजना को रोका है। इस योजना को मानवाधिकार कार्यकर्ता एथनिक क्लींजिंग (किसी खास नस्ल या समुदाय के लोगों को हटाने या खत्म करने की कार्रवाई) मानते हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, काट्ज ने इजराइल की न्यूज वेबसाइट वाई नेट के विचारोत्तेजक सम्मेलन में गाजा समस्या पर खुलकर चर्चा की। काट्ज ने कहा, गाजा से फिलिस्तीनी हट जाएं तो समस्या हल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि ट्रंप अपने पहले कार्यकाल की शुरुआत में इजराइल के इस विचार का समर्थन कर चुके हैं। ट्रंप ने तो एक बार यहां तक कहा कि एक बार फिलिस्तीनियों को हटा दिए जाने के बाद अमेरिका इस इलाके पर कब्जा कर लेगा और उस जमीन का मालिक बन जाएगा।

पाक का साथ देने वाला तुर्किये अब भारत से चाहता है दोस्ती

बिश्केक

एक समय पाकिस्तान का समर्थन करने वाला तुर्किये अब भारत के साथ अपने संबंध सुधारने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसके पीछे आर्थिक समेत कई महत्वपूर्ण कारण हैं। ऐसी खबरें हैं कि तुर्किये शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का पूर्ण सदस्य बनना चाहता है, जिससे समूह में एक और नाटो देश की एंट्री हो जाएगी। तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन का कहना है कि यह कदम अन्य गठबंधनों या पश्चिमी देशों से दूरी बनाने का संकेत नहीं है।

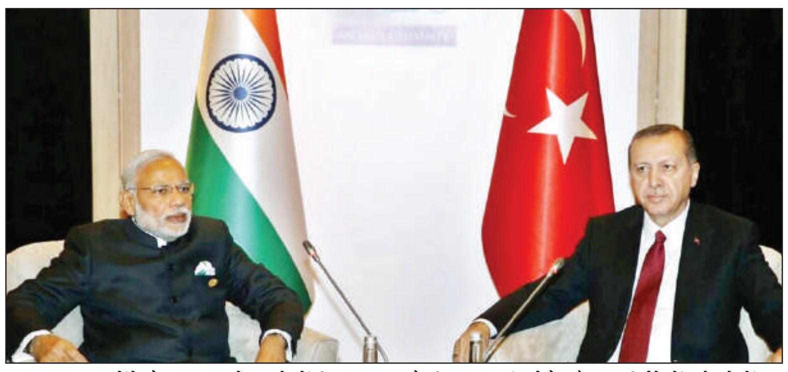

जून में, तुर्किये के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने भारत के साथ अच्छे संबंधों की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा था कि दोनों देशों के बीच कोई सीमा या द्विपक्षीय मुद्दा नहीं है, न ही कोई बुरा इतिहास। उन्होंने तर्क दिया कि अच्छे संबंध रखने के कई कारण हैं। फिदान ने स्वीकार किया कि तुर्किये के पाकिस्तान से अच्छे संबंध हैं और कुछ मुद्दों पर ऐतिहासिक एकजुटता भी है, लेकिन उन्होंने जोर दिया कि वे नकारात्मक मुद्दों को हटाकर सकारात्मक एजेंडे के साथ आगे बढ़ने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने भारत से अपील की कि वह पाकिस्तान से तुर्किये के अच्छे संबंधों को गलत तरीके से न ले।

तुर्किये के भारत से अच्छे रिश्ते चाहने की एक मुख्य वजह आर्थिक है। रिपोर्ट्स के अनुसार, तुर्किये भारतीय कारोबार, निवेश और इन्फ्रास्ट्रक्चर तक अपनी पहुंच बढ़ाना चाहता है। भारतीय पर्यटक भी तुर्किये की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। व्यापारिक रूप से, तुर्किये मार्बल, मशीनरी और कृषि उत्पादों का निर्यात करता है, जबकि भारत केमिकल्स, मशीनरी और आटोमोबाइल से जुड़े उत्पाद भेजता है। हालांकि, दोनों देशों के बीच पूर्व में कुछ संवेदनशील मुद्दे रहे हैं। एक सैन्य हमले के बाद तुर्किये ने भारत की कार्रवाई की आलोचना की थी। ऐसी खबरें भी थीं कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ संघर्ष के दौरान तुर्किये में बने ड्रोनों का इस्तेमाल किया था। जम्मू और कश्मीर का मुद्दा भी तनाव का एक बड़ा कारण रहा है, जहां राष्ट्रपति एर्दोगन लगातार पाकिस्तान का समर्थन करते रहे हैं।इसके बावजूद, हाल के दिनों में रिश्ते सुधरने के संकेत मिले हैं। अप्रैल 2026 में भारत और तुर्किये ने चार सालों के लंबे अंतराल के बाद विदेश कार्यालय स्तर पर बातचीत शुरू की। दोनों पक्षों ने गलतफहमियों और मतभेदों को दूर करने के लिए वार्ता की आवश्यकता पर जोर दिया। हाल ही में, ड्रग तस्कर सलीम डोला के प्रत्यर्पण में तुर्किये ने मदद की थी, और अन्य अपराधियों के प्रत्यर्पण को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। तुर्किये ने यह भी स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ उसकी सैन्य समझ पुराने रक्षा समझौते से जुड़ी है और यह पाकिस्तान को मदद करने का कोई नया रास्ता नहीं है।

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर खोज की तैयारी कर रहा चीन

बीजिंग

अपने महत्वाकांक्षी चांगई-7 मिशन के जरिए चीन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर खोज की तैयारी कर रहा है। चंद्रमा के इस क्षेत्र तक सूर्य की रोशनी कभी नहीं पहुंचती। चीन के इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थायी रूप से छाया में रहने वाले गहरे क्रेटरों में मौजूद पानी और बर्फ की वास्तविक मात्रा, गहराई, स्वरूप और उपयोग की संभावनाओं का पता लगाना है।

यह अभियान चीन के तेजी से विकसित हो रहे अंतरिक्ष कार्यक्रम का महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है और भविष्य में चंद्रमा पर मानव गतिविधियों के लिए संसाधन जुटाने की दिशा में भी अहम साबित हो सकता है। वैज्ञानिकों को लंबे समय से चंद्रमा पर पानी के मौजूद होने के संकेत मिलते रहे हैं। खासतौर पर दक्षिणी ध्रुव के स्थायी छाया वाले क्षेत्रों में बर्फ के रूप में पानी होने के पर्याप्त प्रमाण हैं।

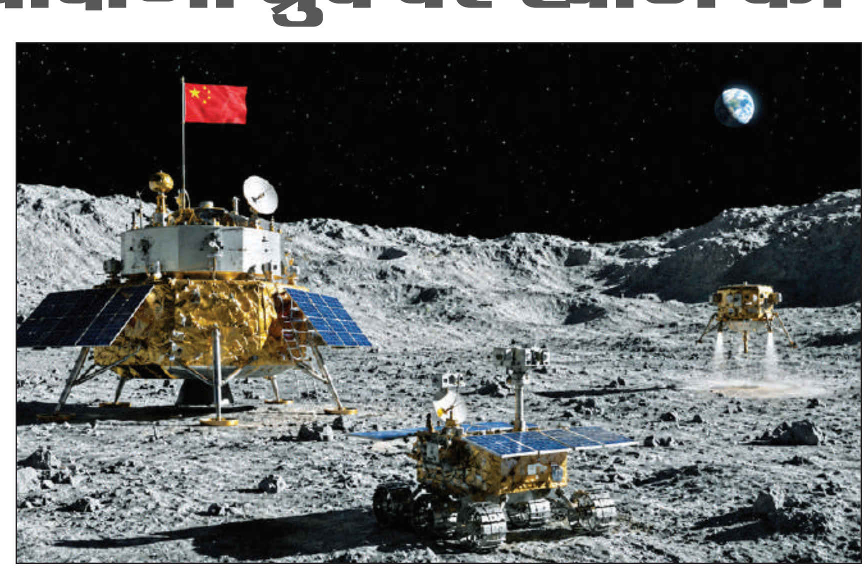

हालांकि सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह बर्फ कितनी मात्रा में है, सतह के कितने नीचे मौजूद है और क्या इसे भविष्य में व्यावहारिक रूप से निकाला जा सकता है। इन क्रेटरों में पहुंचना बेहद कठिन है, क्योंकि यहां अरबों वर्षों से सूर्य की रोशनी नहीं पहुंची है और तापमान अत्यधिक कम रहता है। चांगई-7 मिशन में एक आर्बिटर, लैंडर, रोवर और विशेष हापर शामिल होगा।

मिशन के लिए क्यूकियाओ-2 चंद्र रिले उपग्रह भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच संचार व्यवस्था में सहायता करेगा। मिशन के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में उतरने की संभावना है। हापर इस अभियान का सबसे खास हिस्सा होगा, क्योंकि यह पहियों वाले रोवर की तरह केवल जमीन पर चलने के बजाय ऊबड़-खाबड़ इलाके के ऊपर छलांग लगाकर आगे बढ़ सकेगा और गहरे, अंधेरे क्रेटरों तक पहुंचने का प्रयास करेगा। इन क्षेत्रों में खड़ी दीवारें, पथरीली सतह और लगातार अंधेरा पारंपरिक रोवरों के लिए बड़ी चुनौती हैं। ऐसे में हापर को स्वायत्त रूप से दिशा तय करने और संचार बनाए रखने जैसी जटिल तकनीकी क्षमताओं की आवश्यकता होगी। वैज्ञानिक केवल पानी की मौजूदगी की पुष्टि नहीं करेंगे, बल्कि यह समझने का प्रयास करेंगे कि वह किस रूप में और किन स्थानों पर केंद्रित है। चीन की योजना के अनुसार इसके बाद चांगई-8 मिशन संसाधनों के वास्तविक उपयोग की तकनीक पर काम कर सकता है।

दीर्घकालिक लक्ष्य चंद्रमा पर अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र स्थापित करना है। दूसरी ओर, अमेरिका भी नासा के आर्टेमिस कार्यक्रम और वाणिज्यिक चंद्र मिशनों के माध्यम से इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज भगवती की उपासना करके दिन का आरंभ करें दिन अच्छा रहेगा ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है. आपके काम समय पर पूरे होंगे. आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं. आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद हो सकती है. अपने कठिन विषयों को समझने के लिये किसी की मदद ले सकते हैं. घर के किसी काम में जीवनसाथी की मदद भी ले सकते हैं. रिश्ते बेहतर रहेंगे. छात्रों के लिए समय फेरबदल करने वाला हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज फिजूलखर्ची से बचें पुराना निवेश आकस्मिक लाभ देगा . इसके परिणामवश आप अपने व्यवसाय सम्बंधित समस्याओं को हल करने में पहल और अधिक रुचि ले सकते हैं. साझेदारी से आपके लिए कुछ बेहतरीन प्रोत्साहन मिल सकते हैं, जो आपकी वित्तीय स्थिति को काफी मजबूत कर सकते हैं. बच्चे जो भी कार्य करेंगे, चाहे पढ़ाई हो अथवा कोई भी अतिरिक्त गतिविधि वे हर जगह प्रशंसा अर्जित कर पाएंगे. परिवार के सदस्य का स्वास्थ्य आपको परेशान कर सकता हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप का व्यक्तित्व लोगों के लिए प्रेरणादायक रहेगा व्यापारी वर्ग और नौकरी वालों के लिए आज का दिन लाभदायी रहेगा. दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव भी आपको करना होगा. इससे आपकी समस्याएं सुलझ सकती हैं. कोई रचनात्मक काम भी आपके दिमाग आएगा या आपको दिया जा सकता है. उच्च अधिकारियों की मधुर सम्बन्ध रखे पदोन्नति होगी

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज भविष्य के लिए परिवार के साथ अहम समझौता करेंगे . आपको अपने करियर का कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है. ध्यान रहे जो भी करें, सोच–समझ कर करें. अगर आप नौकरी कर रहे हैं, तो अचानक से आपको किसी काम के लिये बाहर भेजा जा सकता है. काम की वजह से आप परिवार को पूरा समय नहीं दे पायेंगे, लेकिन परिवार का साथ बना रहेगा. आपको अपना काम समय पर पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए. किसी नये बिजनेस की शुरुआत के लिये पैसा उधार लेना पड़ सकता है.कन्या को मिष्ठान का सेवन कराए कार्य सिद्धि होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप आप को पुण्य कर्म करना चाहिए जिसके लिए आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपको सहकर्मियों से पूर्ण सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा. आप नया कारखाना चालू कर सकते हैं आर्थिक लाभ होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज भविष्य के लिए आप निवेश की योजना बनाएंगे आपकी आर्थिक योजना को बल मिलेगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा व मान–सम्मान में वृद्धि होगी. अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर आपका उत्साह बढ़ा देगी. परिवार के लोगों के साथ इसे बांटना आपको उल्लास से भर देगा. एक–दूसरे का नजरिया समझकर व्यक्तिगत समस्याएँ सुलझाएँ. काम का दबाव रहेगा. लेकिन जीवनसाथी की सहयोग से आप हर तनाव से दूर होंगे. अपने व्यवहार मे खुलापन रखें रिश्तों मे टकराव से बचेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सबसे पहले परिवार की जरुरतों को पूरा करना चाहिए जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा. छोटे बच्चों को कोई बड़ा सरप्राइज भी मिल सकता है. कुछ लोग आपके किसी काम में मदद के लिये आगे आ सकते हैं. पैसों को लेकर आपकी चिंता दूर हो सकती है. आप किसी काम को नये सिरे से शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं. सेहत को लेकर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. जरूरत से ज्यादा खाना आपको परेशानी में डाल सकता है. बच्चों को शाम के समय मंदिर लेकर जाए अच्छे संस्कार आंएगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई पुरानी सरकारी लेनदेन की फाईल वापस बाहर निकल सकती हैं आप मुश्किल मे आ सकते हैं वरिष्ठ नागरिकों को किसी भी प्रकार की भावनात्मक भागीदारी और लंबी यात्रा से बचना चाहिए. परिवार के सदस्यों के मध्य अशांति आप के लिए चिंता का विषय हो सकती है. सरकार या उच्च अधिकारियों से अच्छे समर्थन की उम्मीद न करें. शरीर के जोडों मे तकलीफ बनेगी ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप को दिया हुआ टारगेट जल्दी ही पूरा करेंगे आज आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की जरूरत है. जीवनसाथी के साथ उलझे किसी मामले को प्यार से सुलझा लिए जाने की संभावना है. उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे. किसी प्रिय व्यक्ति से मिलने का सुख मिलेगा. आज बच्चों को सावधानी से रखें मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं. सर्दी जुकाम जैसी समस्याए बनेगी

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए हैं तो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से आप को आफर आ सकता हैं किसी जरूरी चीज को खरीदने में आपके पैसे खर्च हो सकते हैं. इस राशि के जो लेखक हैं, आपको किसी संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया जा सकता है. माता–पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद कर सकता है. आपको किसी काम में पड़ोसियां का भी सहयोग मिल सकता है. बच्चे आपसे अपनी कोई बात शेयर कर सकते हैं. आपको उनकी बात ध्यान से सुननी चाहिए. लक्ष्मी जी का कनेर के पुष्प से पूजन करें आध्यात्मिक लाभ होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी मित्र का सहयोग मिल सकता हैं आप को सफलता पानी हो तो व्यावसायिक मोर्चे पर कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है. वरिष्ठों को खुश करना मुश्किल हो सकता है. इस अवधि के दौरान कड़ी मेहनत और विनम्र सफलता की कुंजी है. कयासों के लिए समय ठीक नहीं है. आपको पारिवारिक जीवन मे अशांति का सामना करना पड सकता है. आप को संयमित रहने की जरूरत हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सामाजिक सेवा से आप को . यश और कीर्ति भी मिलेगी परिवार का वातावरण आनंदपूर्ण रहेगा. व्यर्थ की भागदौड़ से पारिवार में अशांति छा सकती है. किसी सौदे का सामना करने जा रहे लोग अपने डर पर काबू करने में सफल होंगे. मित्रों का काम में सहयोग मिलेगा. पीठ मे तकलीफ बन सकती हैं सेहत का ख्याल रखें. अधिक महनत करने से बचना चाहिए।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 सितंबर 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 12:15 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 11:04 तक
योग : हर्षण सायं 03:43 तक
करण : बालव दोपहर 01:22 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी , मन्वादि तिथि , कालाष्टमी , जाम्वोजी जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एसरी इंडिया ने स्वदेशी जीआईएस सॉफ्टवेयर 'जियोसारल' किया लॉन्च

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर, स्थान संबंधी जानकारी और मानचित्रण समाधान के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने 'जियोसारल' नाम से लिनक्स आधारित डेस्कटॉप भौगोलिक सूचना प्रणाली सॉफ्टवेयर लॉन्च करने की घो–षणा की है।

एसरी इंडिया पिछले कई वर्षों से प्रौद्योगिकी, प्रतिभा और नवाचार में लगातार निवेश के साथ स्थानीय जरूरतों के अनुरूप समाधान विकसित करने पर विशेष ध्यान दे रही है। कंपनी के अनुसार, जियोसारल इसी निरंतर प्रयास का परिणाम है और इसका उद्देश्य भारत में भौगोलिक सूचना प्रौद्योगिकी के तेजी से बढ़ते उपयोग से उत्पन्न जरूरतों को पूरा करना है।

संगठनों में पेशेवर जीआईएस उपयोगकर्ता उन्नत विश्लेषण, त्रि–आयामी तकनीक, नेटवर्क विश्लेषण और जटिल मानचित्रण के लिए आर्कजीआईएस का उपयोग करते हैं। वहीं, ऐसे उपयोगकर्ताओं की भी बड़ी संख्या है जिन्हें मानचित्रण, दृश्यांकन, जांच और संपादन जैसे सामान्य कार्यों के लिए हल्के और आसान डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर की आवश्यकता होती है। जियोसारल को इसी जरूरत को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

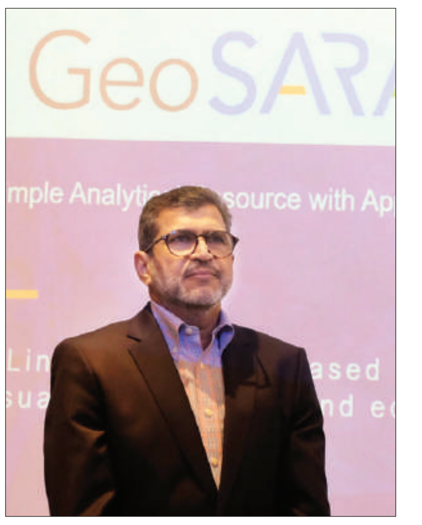

जियोसारल को विशेष रूप से ऐसे उपयोगकर्ताओं के लिए तैयार किया गया है, जिन्हें सरल जीआईएस कार्यों के लिए हल्के और लिनक्स आधारित डेस्कटॉप समाधान की आवश्यकता है। यह विंडोज पर भी काम करता है, जबकि इसका एंड्रॉयड संस्करण जल्द उपलब्ध कराया जाएगा।

एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेन्द्र कुमार ने कहा कि ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप नवाचार कंपनी की प्रौद्योगिकी यात्रा का केंद्र रहा है। जियोसारल की लॉन्चिंग इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि शुरुआती उपयोगकर्ता मानचित्रण, दृश्यांकन, संपादन और पूछताछ जैसे कार्यों के लिए किफायती लिनक्स आधारित डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर मिलने से उत्साहित हैं।

जियोसारल मौजूदा आर्कजीआईएस ढांचे के साथ मिलकर काम करता है और इंडो आर्कजीआईएस लिविंग एटलस की सामग्री का लाभ उठा सकता है। यह उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट कनेक्शन के बिना स्थानीय स्तर पर संग्रहित जीआईएस डेटा और आधार मानचित्रों को देखने, प्रबंधित करने तथा उनका विश्लेषण करने की सुविधा देता है।

कंपनी के अनुसार, जियोसारल को मौजूदा आर्कजीआईएस पारितंत्र के साथ आसानी से एकीकृत होने के लिए तैयार किया गया है और इसमें उद्यम स्तर की सुरक्षा उपलब्ध है।

जैसे–जैसे भौगोलिक सूचना प्रौद्योगिकी शासन, बुनियादी ढांचे, कृषि, रक्षा, जनोपयोगी सेवाओं, नगरीय विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और आपदा प्रबंधन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आवश्यक होती जा रही है, स्थानीय स्तर पर विकसित तकनीक देश की विशेष जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कंपनी के अनुसार, जियोसारल व्यापक तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में योगदान देने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है।

सनातन विज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के संगम से होगा गंभीर रोगों पर शोध

जयपुर, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संपूर्ण मानवता को मानसिक संताप और असाध्य रोगों से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से परम पूज्य ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी एवं अनंतश्री विभूषित त्रिवेणी संतश्री नारायण दासजी महाराज के 'विश्व शांति अभियान' संदेश के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय शोध समझौता (एमओयू) संपन्न हुआ। यह वैश्विक पहल जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मदन मोहन झा की अध्यक्षता में सनातन विज्ञान और आधुनिक चिकित्सा को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

कुलगुरु प्रो. मदन मोहन झा ने बताया कि अभियान के तहत अवसाद, चिंता, हृदय रोग और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए प्राचीन भारतीय ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान मिलकर शोध करेंगे। जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय इस शोध का मुख्य केंद्र होगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. गुंजन सोनी ने बताया कि वैदिक मंत्रों की तरंगों एवं ध्वनि विज्ञान यानी मंत्र चिकित्सा का मानव मस्तिष्क और तंत्रिका कोशिकाओं पर पड़ने वाले प्रभावों का गहन वैज्ञानिक अध्ययन किया जाएगा। जयपुर स्थित दाना शिवम हार्ट एंड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के निदेशक एवं प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुमार गर्सा के नेतृत्व में शोध से जुड़े मरीजों की उपचार से पहले और मंत्र व गो–आधारित चिकित्सा के बाद वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय जांच की जाएगी। इसका उद्देश्य शोध के परिणामों को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की कसौटी पर परखना और वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाना है।

डॉ. गुंजन सोनी ने बताया कि रुद्रशिवम लाइवस्टॉक्स एसोसिएशन के निदेशक संजय शर्मा के संयोजन में मरीजों के लिए विशेष 'काऊ कडलिंग' एवं गो–चिकित्सा केंद्र विकसित किए जाएंगे। इन प्राकृतिक आवासों में मरीजों को प्रकृति के करीब रखते हुए गाय को गले लगाने, गो–चिकित्सा और पंचगव्य आधारित प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन श्रीब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने बताया कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य गाय, ग्रामीण विकास, पर्यावरण और सनातन संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना सिद्धगुरु सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी तथा त्रिवेणी धाम के संतश्री नारायण दासजी महाराज के आशीर्वाद एवं उनके वैश्विक शांति अभियान को समर्पित है। उन्होंने इसे गाय, ग्राम विकास, पर्यावरण, सनातन संस्कृति और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के समागम से विश्व में शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा के संचार का महासंकल्प बताया।

श्रीब्रह्मर्षि आश्रम के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक कमल आत्रेय ने कहा कि संतों के आशीर्वाद से शुरू हुआ यह प्रकल्प दुनिया को प्राचीन सनातन पद्धतियों के वैज्ञानिक अध्ययन का संदेश देगा और आधुनिक चिकित्सा के साथ इनके संभावित उपयोगों पर शोध को आगे बढ़ाएगा।

इस अवसर पर महावीर खर्रा सहित विश्वविद्यालय के कई गणमान्य विद्वान, प्रो. विनोद कुमार शर्मा, प्रो. राजधर मिश्र, डॉ. शम्भु कुमार झा, डॉ. दिवाकर मिश्र, डॉ. संदीप जोशी, डॉ. मधुबाला शर्मा, वीरेंद्र कुमार गुप्ता, सुरेन्द्र मोहन और राजेश कुमार शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अन्नदान से बढ़कर कोई सेवा नहीं, राधे–राधे ग्रुप ने निभाई मानवता की जिम्मेदारी

हैदराबाद। हैदराबाद राधे–राधे ग्रुप के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क वॉटर टैंक पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को श्रद्धा और सेवा भाव के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, कमल मुंदड़ा, भवरलाजी गुप्ता एवं हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। सदस्यों ने स्वयं भोजन वितरण कर सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन का वितरण नहीं, बल्कि भूखे व्यक्ति के चेहरे पर संतोष और मुस्कान लाने का माध्यम है। भारतीय संस्कृति में सेवा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और जरूरतमंदों की सहायता करना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा केबीआर पार्क सहित विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से अन्नदान सेवा की जा रही है। ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना और समाज में सेवा, संस्कार, करुणा एवं मानवता की भावना को मजबूत करना है।

राधे–राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि जब सेवा का भाव दिल से जुड़ता है, तो छोटी–सी पहल भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। इसी भावना के साथ ग्रुप द्वारा नियमित सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।

पंजाब में नशे के मुद्दे पर भाजपा का आप सरकार पर हमला

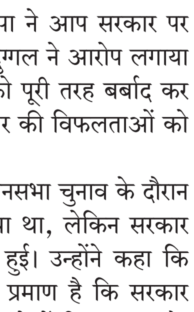

चंडीगढ़, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पंजाब में नशे की समस्या को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। यह विवाद पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां के उस बयान के बाद और तेज हो गया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार पंजाब को नशामुक्त बनाने के अपने वादे को पूरा करने में सफल नहीं हो पाई है।

विधानसभा अध्यक्ष के बयान के बाद भाजपा ने आप सरकार पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा नेता के.एस. दुग्गल ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने पंजाब को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है और अब पार्टी के वरिष्ठ नेता भी सरकार की विफलताओं को स्वीकार करने लगे हैं।

दुग्गल ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनाव के दौरान पंजाब को नशामुक्त बनाने का बड़ा वादा किया था, लेकिन सरकार के कार्यकाल में नशे की समस्या समाप्त नहीं हुई। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की टिप्पणी इस बात का प्रमाण है कि सरकार अपने प्रमुख चुनावी वादों में से एक को पूरा करने में विफल रही है।

भाजपा नेता ने कहा कि पंजाब का युवा आज भी नशे की समस्या से जूझ रहा है। सरकार को राजनीतिक बयानबाजी के बजाय जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई और नशे के खिलाफ ठोस कदम उठाने पर ध्यान देना चाहिए। भाजपा लगातार पंजाब में नशे के मुद्दे को लेकर आप सरकार को घेरती रही है।

आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव को देखते हुए नशे का मुद्दा एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। विधानसभा अध्यक्ष की टिप्पणी ने विपक्ष को आप सरकार पर हमला तेज करने का एक और अवसर दे दिया है।

22ए प्रतिबंधित भूमि सूची के विरोध में भाजपा का धरना

मंचिरियाल, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा लागू 22ए प्रतिबंधित भूमि सूची के विरोध में भाजपा ने मंचिरियाल आरडीओ कार्यालय के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेल्ली, जिला अध्यक्ष नगु नूरी वेंकटेश्वर गौड़ सहित बड़ी संख्या में प्रभावित किसान और आम नागरिक शामिल हुए। धरने को संबोधित करते हुए रघुनाथ वेराबेल्ली ने कांग्रेस सरकार पर गरीबों की आवासीय और कृषि भूमि छीनने का आरोप लगाया। उन्होंने 22ए सूची में शामिल पात्र गरीबों की जमीनें तत्काल प्रतिबंधित सूची से हटाने और जीओ 22ए को रद्द करने की मांग की। साथ ही राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी से जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। धरने के बाद भाजपा नेताओं और प्रभावित ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने आरडीओ कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जमीनों को 22ए सूची से हटाकर प्रभावित लोगों को उनका मालिकाना हक देने की मांग की। भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को राज्य स्तर पर और तेज किया जाएगा।

सात वर्षों से जारी है सुंदरकांड पाठ, हर शनिवार भक्तिमय होता है लक्ष्मीनारायण मंदिर

मंचेरियल, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल शहर के लक्ष्मीनारायण मंदिर में पिछले सात वर्षों से प्रत्येक शनिवार श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। श्याम दीवाने भजन मंडली के प्रमुख भजन गायक श्याम शर्मा, आशीष भाटी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें नियमित रूप से शामिल होते हैं। सामूहिक पाठ के बाद आरती एवं प्रसाद वितरण किया जाता है। श्याम शर्मा, आशीष भाटी सहित श्रद्धालुओं ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन के समय घर पर रहते हुए भगवान का नाम लेकर समय का सदुपयोग करने के विचार से ग्रुप बनाकर सुंदरकांड का पाठ शुरू किया गया था। सात वर्ष पहले शुरू हुआ यह धार्मिक सिलसिला आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी सुंदरकांड पाठ को नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प है। आयोजन के चलते प्रत्येक शनिवार मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहता है और यह श्रद्धालुओं के लिए आस्था एवं भक्ति का नियमित केंद्र बन गया है।

दशहरा से पहले पूरा होगा पेद्दापल्ली मुख्य सड़क का निर्माण

पेद्दापल्ली, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के व्हिप एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंतकुंता विजय रमना राव के सहयोग से शहर में विकास कार्य तेजी से जारी हैं। नगर अध्यक्ष नूगिला मल्लैया ने वार्ड 12, कुनाराम रोड स्थित अनुसूचित जाति कब्रिस्तान तथा मुख्य सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। नगर अध्यक्ष ने बताया कि विधायक के सहयोग से शहर के सभी वार्डों में सामुदायिक सड़क और जल निकासी व्यवस्था विकसित की जा रही है। शहर के प्रवेश द्वार जेंडा से पेद्दापल्ली मस्जिद तक मुख्य सड़क का निर्माण तेजी से चल रहा है और इसे दशहरा से पहले पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने सड़क निर्माण में व्यापारियों द्वारा स्वेच्छा से दिए जा रहे सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने बताया कि कुनाराम रोड स्थित अनुसूचित जाति कब्रिस्तान निचले क्षेत्र में होने के कारण बारिश का पानी जमा हो जाता है। बीटी सड़क की ऊंचाई अधिक होने से यहां दाह संस्कार में भी परेशानी होती है। इस समस्या को जल्द विधायक के संज्ञान में लाकर समाधान कराया जाएगा। इस अवसर पर नगर आयुक्त अकुला वेंकटेश, पार्षद ईरला स्वरूपा, डोड्डुपल्ली जगदीश, मंथानी नरसिंह, अक्केपल्ली सुजाता क्रांति सहित नगर निगम के कर्मचारी एवं अन्य उपस्थित रहे।

गणेश उत्सव में डीजे पर प्रतिबंध चालकों का बांड ओवर

मदनूर, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश चंद्रा के आदेशानुसार स्थानीय पुलिस उपनिरीक्षक मोहन रेड्डी ने गणेश उत्सव के दौरान सार्वजनिक गणेश मंडपों एवं शोभायात्राओं में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए डीजे चालकों को उपतहसीलदार के समक्ष बांड ओवर किया गया है। पुलिस ने गणेश उत्सव के दौरान शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की।

एनडीपीएस मामलों की प्रभावी जांच के लिए पुलिस अधिकारियों का दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण संपन्न

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट के तत्वावधान में आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी (टीजीपीए), हिमायत सागर में आयोजित दो दिवसीय विशेष एनडीपीएस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। 1 और 2 सितंबर को आयोजित इस कार्यक्रम में कमिश्नरेट के एसीपी, एसएचओ , एसआई और स्टेशन राइटरों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान

अधिकारियों को नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में सीसीटीएनएस और ई–साक्ष्य जैसे आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्मों के इस्तेमाल की जानकारी दी गई। इसके अलावा, सर्च और जब्ती प्रक्रिया, सीलिंग, सैंपलिंग, पंचनामा तैयार करने, अपराध स्थल की फोटोग्राफी–वीडियोग्राफी, डीडी किट के उपयोग तथा जब्त सामग्री के निस्तारण की कानूनी बारीकियों से अवगत कराया गया। फ्यूचर सिटी के पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी ने जांच को अदालत में मजबूत बनाए रखने के लिए साक्ष्य–आधारित कार्यप्रणाली पर जोर दिया। नारकोटिक्स नियंत्रण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए ईगल फोर्स के पूर्व निदेशक एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी एम. संदीप शांडिल्य को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। पुलिस आयुक्त ने कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सभी अधिकारियों, रिसोर्स पर्सन और समन्वयकों की सराहना की। उन्होंने स्पष्ट किया कि फ्यूचर सिटी पुलिस मादक पदार्थों की अवैध तस्करी व आपूर्ति के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत सख्त कार्रवाई जारी रखेगी।

आज मनाई जाएगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

मध्यरात्रि में पूजा का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखकर तथा विना व्रत के भी बड़े उल्लास और श्रद्धाभाव के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाते हैं। इस बार करीब 15 साल बाद जन्माष्टमी पर ऐसा विशेष संयोग बन रहा है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के संयोग में मनाया जाएगा। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भी मध्यरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इस बार जन्माष्टमी पर भी इसी प्रकार का संयोग बन रहा है।

श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी तिथि, बुधवार, रोहिणी नक्षत्र एवं वृष राशि में मध्यरात्रि के समय हुआ था। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि वर्ष 2026 में यह तिथि 3 सितंबर की रात्रि 12:26 बजे शुरु होकर 4 सितंबर की रात्रि 12:14 बजे तक रहेगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जन्माष्टमी का पर्व उस समय मनाना विशेष शुभ माना जाता है, जब चंद्रमा रोहिणी नक्षत्र में स्थित हो।

शुभ मुहूर्त

पंचांग की गणना के अनुसार, इस बार जन्माष्टमी पर अबकी बार जन्मांतर के पापों का क्षय करने वाला जयंती योग बना है।

अष्टमी तिथिं का आरंभः
3 सितंबर,
रात्रि 12:26 मिनट पर

अष्टमी तिथिं का समापनः
4 सितंबर,
रात्रि 12:14 मिनट पर

*धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जन्माष्टमी का पर्व उस समय मनाना विशेष शुभ माना जाता है, जब चंद्रमा रोहिणी नक्षत्र में स्थित हो।

इस वर्ष रोहिणी नक्षत्र की शुरुआत 3 सितंबर की रात 11:30 बजे होगी और यह 4 सितंबर की रात 12:14 बजे तक रहेगा। पंचांग की गणना के आधार पर कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर 2026 को मनाई जाएगी। हर वर्ष भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है। यह दिन श्रीकृष्ण को समर्पित होता है। जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि भगवान कृष्ण की शरण में रहने वाले जातकों को मृत्युलोक में स्वर्ग के समान सुखों प्राप्ति होती है।

ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि शास्त्रों में इस संयोग का विशेष उल्लेख है—

'अर्द्धरात्रे तु रोहिणयां यदा कृष्णाष्टमी भवेतू।
तस्यामभ्यर्चनं शौरिहन्ति पापों त्रिजन्मजम् ।'

अर्थात अष्टमी तिथि, जन्म समय पर रोहिणी नक्षत्र और हष योग में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत एवं जन्मोत्सव मनाने वाले श्रद्धालुओं के तीन जन्मों के पाप समूल नष्ट हो जाते हैं और ऐसा योग शत्रुओं का दमन करने वाला माना गया है।

निर्णय सिंधु में भी एक श्लोक आता है—

'त्रेतायां द्वापरे चैव राजनू कृतयुगे तथा।
रोहिणी खहितं चेयं विद्धद्भिः समुपोषिता।'

अर्थात हे राजनू, त्रेता युग, द्वापर युग और सतयुग में रोहिणी नक्षत्र युक्त अष्टमी तिथि में ही विद्धानों ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उपवास किया था। इसलिए कलियुग में भी इसी प्रकार के उत्तम योग को विशेष माना जाना चाहिए। ऐसा योग विद्धानों और श्रद्धालुओं को अच्छी प्रकार से पोषित करने वाला माना गया है।

मध्यरात्रि में रोहिणी नक्षत्र का संयोग

जन्माष्टमी की अर्धरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का एक साथ होना विशेष फलदायी माना जाता है। कई वर्षों में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर वृष राशि में चंद्रमा तो रहता है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग नहीं बन पाता। इस बार सभी प्रमुख ज्योतिषीय तत्व एक साथ आ रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं में भी ऐसे संयोग में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।

जन्माष्टमी का भोग

भगवान लड्डु गोपाल को माखन-मिश्री का भोग बहुत पसंद है। इस वजह से जन्माष्टमी के दिन बाल श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री का भोग लगाएं। इसके अलावा केसर वाला घेवर, पेढ़ा, मखाने की खीर, रवड़ी, मोहनभोग, रसगुल्ला, लड्डू आदि का भी भोग लगाया जा सकता है।

इस विधि से करें पूजा

जन्माष्टमी व्रत में अष्टमी के उपवास से पूजन और नवमी के पारण सेव्रत की पुर्ति होती है। इस व्रत के एक दिन पहले यानी सप्तमी के दिन हल्का और सात्विक भोजन ही करना चाहिए। व्रत वाले दिन प्रातः स्नान आदि से निवृत्त होकर सभी देवताओं को नमस्कार करें। पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके बैठ जाएं। हाथ में जल, फल और पुष्प लेकर व्रत का संकल्प लें।

मध्याह्न के समय काले तिल का जल छिड़ककर देवकी जी के लिए प्रसुति गृह बनाएं। अब इस सुत्किक गृह में सुंदर-सा बिछौना बिछाकर उस पर कलश स्थापित करें। भगवान कृष्ण और माता देवकी जी की मूर्ति या सुंदर चित्र स्थापित करें। देवकी, वासुदेव, बलदेव, नंद, यशोदा और लक्ष्मी जी का नाम लेते हुए विविवत पूजन करें।

यह व्रत रात 12 बजे के बाद ही खोला जाता है। इस व्रत में अनाज का उपयोग नहीं किया जाता। फलाहार के रूप में कट्टू के आटे की पकौड़ी, मावे की बर्फी और सिंघाड़े के आटे का हलवा खा सकते हैं।

व्रत करने से पाप-कष्टों से मिलती है मुक्ति

निर्णय सिंधु नामक ग्रंथ के अनुसार जब जन्माष्टमी पर ऐसा विशेष संयोग बनता है, तो इस खास अवसर को यूं ही गंवाना नहीं चाहिए। यदि इस तरह के संयोग में व्रत किया जाता है तो तीन जन्मों के जाने-अनजाने में हुए पापों से मुक्ति मिलनी की मान्यता है। मान्यता है कि इस तिथि और संयोग में भगवान कृष्ण का पूजन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और व्यक्ति को भगवत कृपा की प्राप्ति होती है।

जो लोग कई जन्मों से प्रेत योनि में भटक रहे हुए हों, इस तिथि में उनके लिए पूजन करने से उन्हें मुक्ति मिलने की मान्यता है। इस संयोगं में भगवान कृष्ण के पूजन से सिद्धि की प्राप्ति होगी तथा सभी कष्टों से मुक्ति मिलेगी।

– डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान
जयपुर-जोधपुर

गृह कलह को शांत करेंगे ये उपाय

गृह कलह के यूं तो बहुत सारे कारण होते हैं, लेकिन ज्योतिष एवं वास्तु की दृष्टि से गृह कलह ग्रहों के दोषपूर्ण या अशुभ दशा होने अथवा भवन में एक या अनेक वास्तु दोष होने से भी गृह कलह उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है। ज्योतिष में गृह कलह का निवारण संभावित गृह कलह के निवारण के लिए वर-कन्या के विवाह से पहले अगर सही तरीके से कुंडली में गुणों का मिलान करवा लिया जाये तो अच्छा रहता है। फलित ज्योतिष के अनुसार मंगल, शनि और राहु ग्रहों के विभिन्न भावों में बैठे होने से उन भावों से सम्बंधित रिश्तों में मतभेद और कलह देखा जा सकता है। इसके निवारण के लिए उस दोषपूर्ण ग्रह से सम्बंधित वस्तुओं का दान करने, मंत्र जप, पूजा-पाठ, रत्न या रुद्राक्ष धारण करने से लाभ मिलता है।

» घर-परिवार में सुख-शांति और प्रेम भाव बनाए रखने के लिए भोजन बनाते समय सबसे पहली रोटी के बराबर चार टुकड़े करके एक गाय को, दूसरा काले कुत्ते को, तीसरा कौए को खिलाना चाहिए तथा चौथा टुका किसी चौराहे पर रख देना चाहिए। घर के पूजा घर में अशोक के सात पत्ते रखें। उनके मुरझाने पर तत्काल नए पत्ते रखकर पुराने पत्ते पीपल के वृक्ष नीचे रखने से गृह कलह दूर होने लगता है।

» अगर परिवार में कलह के कारण मानसिक तनाव और परेशानी हो रही हो तो एक पतंग पर अपनी परेशानी लिखकर सात दिनों तक उसे उड़ाकर छोड़ देने से समस्या का समाधान होता है। पति और पत्नी के बीच झगड़ा होता हो तो घर में विधि-विधान से स्फटिक के शिवलिंग स्थापित करके इकतालीस दिनों तक उस पर गंगा जल और बेल पत्र चढ़ाएं तथा ' ? नमः शिवशक्तिस्वरूपाय मम गृहे शांति कुरु कुरु स्वाहा' मंत्र का ग्यारह माला जप करने से झगड़ा शांत होने लगता है।

» छोटी-छोटी बातों पर होने वाले विवादों को रोकने के लिए

केवल सोमवार अथवा शनिवार के दिन गेहूं पिसवाते समय एक सौ ग्राम काले चने भी मिलवाएं। इस आटे की रोटी खाने से भी गृह कलह दूर होता है।

» यदि चंद्र ग्रह के अशुभ या दूषित होने से परिवार में अक्सर कलह रहती है तो इसके लिए रविवार रात में अपने सिरहाने स्टील या चांदी के एक गिलास में गाय का थोड़ा सा कच्चा दूध रखें और प्रातःकाल उसे बबूल के पेड़ पर चढ़ा दें।

» इन उपायों के साथ-साथ घर में बबूल की धूनी देने, गणेश एवं पार्वती की आराधना करने, चींटियों को शक्कर डालने, पूर्व दिशा की ओर सिरहाना करके सोने, हनुमान जी की उपासना करने, सेंधा नमक मिश्रित पानी से घर में पोछा लगाने आदि से भी गृह कलह दूर होकर शांति बनी रहती है।

» वास्तु शास्त्र के अनुसार भी अगर भवन में कोई वास्तु दोष है तो गृह कलह संभव है। इसके लिए घर के प्रवेश द्वार के सामने यदि कोई पेड़ नुकीला कोना, मंदिर की छाया, हेंड पंप आदि हैं तो उन्हें या तो हटवा दें अथवा अपने द्वार को सरकवा दें।

» घर के अंदर युद्ध, डूबती नाव, जंगली जानवर, त्रिशूल, भाले आदि के चित्र अथवा प्रतिमा रखने से बचें। बेडरूम में दर्पण ऐसी जगह लगाएं जहां से सोते समय अपना प्रतिबिंब न दिखाई दे।

» अगर घर की दीवारों का प्लास्टर उखड़ा हुआ है तो उसे तत्काल ठीक कराएं। भवन में किचन उत्तर-पश्चिम दिशा में न रखें अन्यथा गृह कलह होने की संभावना बनी रहेगी।

मोटापे से बढ़ जाता है लिवर का खतरा

मोटापे से किशोरों में लिवर संबंधी गंभीर बीमारी या उम्र बढ़ने के साथ यकृत कैंसर के होने का खतरा ज्यादा रहता है। शोधकर्ता ने अपने निष्कर्ष में बताया कि सामान्य वजन वाले पुरुषों की तुलना में मोटापाग्रस्त पुरुषों में उम्र बढ़ने के साथ लिवर की बीमारी होने की संभावना दोगुने से ज्यादा होती है। मोटापा और टाइप 2 मधुमेह वाले पुरुषों में समान्य लोगों की तुलना में लिवर की समस्या होने की संभावना तीन गुनी ज्यादा होती है।

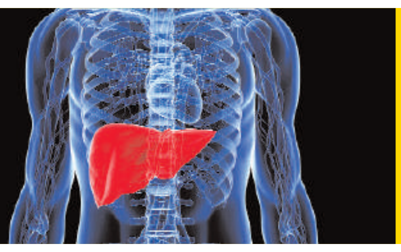

बीयर बुरी नहीं आपकी सोच है बुरी

बीयर पीना या न पीना आपकी इच्छा पर निर्भर करता है। लेकिन, हम यहां आपको बता रहे हैं कि ऐसे कारण जिन्हें पढ़कर आपको ज्ञात होगा कि अगर इसका सेवन संतुलित मात्रा में किया जाए तो बीयर आपके लिए क्यों नुकसानदेह नहीं है। याद रखें, हम आपको बीयर पीने के लिए प्रेरित नहीं कर रहे। अगर आप शराब नहीं पीते या आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिये।

बीयर पीने वाले लंबा जीते हैं

संतुलित मात्रा में बीयर पीना आपकी सेहत के लिए अच्छा होता है। हां, ज्यादा मात्रा जरूर आपकी सेहत बिगाड़ सकती है। अगर आप ज्यादा पीते हैं, तो आपको कैंसर जैसी कई खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं, लेकिन अगर आप बिलकुल ही नहीं पीते, तो यह भी आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं। कई शोध यह बता चुके हैं कि संतुलित मात्रा में पीने वाले, ज्यादा पीने वालों या बिलकुल ही न पीने वालों की अपेक्षा अधिक लंबा जीवन जीते हैं। बीयर संतुलित मात्रा में पीने के लिए उपयुक्त है। इसमें एल्कोहल की मात्रा वाइन और व्हिस्की आदि की अपेक्षा कम होती है।

कुदरती होती है बीयर

कुछ लोग मानते हैं कि बीयर में कई प्रिजरवेटिव मिलाये जाते हैं। लेकिन, सच्चाई यह है कि बीयर ओरेंज जूस जितनी ही कुदरती होती है। और कई मामलों में उनसे भी ज्यादा। क्योंकि पैक्ड ओरेंज जूस और मिलावटी दूध के नुकसानों के बारे में हम जानते ही हैं। बीयर को प्रिजरवेटिव की जरूरत नहीं होती। इसमें एल्कोहल और होप्स होता है। ये दोनों ही कुदरती प्रिजरवेटिव हैं। बीयर को बनाने की प्रक्रिया ब्रेड जैसी ही है। इसे भी पकाया और किण्वित किया जाता है।

कोलेस्ट्रॉल स्तर में सुधार

बीयर में कोलेस्ट्रॉल नहीं होता, लेकिन यह आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुधारती है। संतुलित मात्रा में बीयर का सेवन करना शरीर में गुड और बेड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित करती है। बीयर शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाती है।

विटामिन बी होता है भरपूर

बीयर और खासकर अनफिल्टर या लाइट बीयर, बहुत ज्यादा पौष्टिक होती है। बीयर में विटामिन बी के सभी रूप उच्च स्तर में होते हैं। इसमें फॉलिक एसिड होता है जो हार्ट अटैक से बचाने में मददगार होता है। बीयर में घुलनशील फाइबर होता है, जो आपको रोजमर्रा के काम करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा देता है। इसके साथ ही यह फाइबर हमारे शरीर में जमा अतिरिक्त वसा और गंदगी को निकालने में मदद करता है।

पानी से अधिक सुरक्षित है बीयर

अगर आप किसी ऐसे स्थान पर हैं, जहां आपको पानी न पीने की सलाह दी जाती है, तो आप बीयर पी सकते हैं। यह ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। बीयर को उबालकर बनाया जाता है। इसके बाद सीलबंद होने तक इसमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। यदि यह स्वच्छ न होती, तो शायद इसे बेच पाना भी असंभव होता। अगर बीयर बुरी भी हो, तो उसमें कोई जानलेवा बैक्टीरिया नहीं होता। तो, आप बेफिक्र होकर बीयर पी सकते हैं। यह पानी से सुरक्षित होती है।

कैंसर से लड़े

बीयर का सबसे कमाल का फायदा यह है कि यह कैंसर से लड़ने में मददगार होती है। बीयर बनाने में इस्तेमाल होने वाले पौधे होप्स में एक्सनथोहूमोल पाया जाता है, जो कैंसर से लड़ने में मदद करता है। यह एंटी-ऑक्सीडेंट केवल और केवल बीयर में ही मिलता है।

बीयर से पेट नहीं निकलता

पेट निकलने और बीयर के सेवन के बीच कोई समानता नहीं है। आमतौर पर माना जाता है कि बीयर पीने वाले, बीयर न पीने वालों की अपेक्षा अधिक मोटे होते हैं। कई शोध तो यह दावा करते हैं कि संतुलित मात्रा में बीयर पीने वाले लोगों का पेट और वजन बीयर न पीने वालों की अपेक्षा कम होता है।

कैलोरी की मात्रा है कम

बीयर में कैलोरी बहुत कम होती है। इसमें कार्बोहाइड्रेट बहुत कम होता है। वसा या कोलेस्ट्रॉल बिलकुल नहीं होती। लगभग 12 औंस बीयर में 156 कैलोरी के साथ 14 एमजी सोड़ियम, 0 वसा, 12.6 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 1 प्रतिशत कैल्शिम पाया जाता है।

किडनी में स्टोन नहीं होता

शोध के अनुसार बीयर पीने से पथरी होने का खतरा कम हो जाता है। 40 % बीयर पीने वाले लोगों में किडनी स्टोन होने का खतरा उन लोगों के मुकाबले काफी घट गया था। जो बीयर नहीं पीते थे। हालांकि शोधकर्ता यह निर्धारित नहीं कर सके। कि बीयर में ऐसी कौन सी चीज शामिल थी। जिसकी वजह से यह हो सका।किड़नी स्टोन में असहनीय दर्द होता है।

अटैक से बचाये

रेड वाइन के अलावा डार्क बीयर में काफी अधिक मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। वाइन अन्य एल्कोहोलिक पेय पदार्थों के मुकाबले अधिक फायदेमंद है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रोजाना तीन ड्रिंक पीना दिल की बीमारियों के खतरे को 24.7 फीसदी तक कम कर सकती है।

जींस खरीदते वक्त बिना दुकानदार की बातों में आएं इन बातों का रखे विशेष ख्याल

हममें से ज्यादातर लोग ऐसे होंगे जो अपना अधिकांश समय जींस पहने-पहने ही बिताते हैं. जींस की लोकप्रियता का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि आज के समय में ये हर किसी की आलमारी का हिस्सा बन चुकी है. इसे पहनना काफी आरामदेह है।अगर आप जींस का इस्तेमाल रोजाना करते हैं तो आपको एक ऐसी जींस चाहिए, जो कंफर्टेबल भी हो साथ ही टिकाऊ भी। इन सब के साथ अगर जींस का लुक अच्छा हो तो यह आपके आउटफिट में चार-चांद लगा सकता है। परफेक्ट जींस खरीदना एक चैलेंज जैसा ही है। ये टिप्स आपको एक परफेक्ट जींस खरीदने में मदद करेंगे।

फैब्रिक पर ध्यान दें

जींस खरीदने से पहले फैब्रिक को अच्छी तरह से छूकर देख लें। इससे आपको फैब्रिक की क्वालिटी का पता चल जाएगा। फैब्रिक की क्वालिटी पता करने में जल्दबाजी ना करें। जींस खरीदने से पहले उसके देश और ब्रांड के बारे में जान लें। वैसे जर्मनी के जींस की क्वालिटी काफी अच्छी मानी जाती है।

कॉटन मिक्स हो

जीन्स खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसमें 80 से 100 प्रतिशत तक कॉटन मिक्स हो। ऐसी जीन्स की फिटिंग काफी अच्छी होती है। कई छोटे-मोटे ब्रांड कुछ और फैब्रिक को भी जीन्स के साथ मिक्स कर देते हैं, जैसे स्पैंडेक्स, जो देखने में तो अच्छी लगती है लेकिन फिटिंग में बेकार होती है। अगर जींस लिनेन मिक्स भी हो तो भी एक परफेक्ट फिट देती है।

कम्फर्ट जोन से बाहर निकलें

हमेशा एक जैसी जींस मत खरीदिये। कम्फर्ट जोन से बाहर निकलें और कुछ नया ट्राय करें। ज्यादातर लोग एक ही तरह की जींस पहनते हैं। जबकि ये गलत है। इससे साइज का पता नहीं चलता। जबकि हर उम्र में शरीर का साइज बदलता है तो ऐसे में जरूरी है कि जींस का साइज हमेशा बदलते रहें।

स्टाइल और डिजाइन

समय के साथ कई स्टाइल्स ट्रेंड बन जाते हैं। हम आपको बताना चाहते हैं कुछ ऐसे स्टाइल्स जो आपको हमेशा इग्नोर ही करने चाहिए। जैसे आपकी बैक पॉकेट डिजाइन वाली न हो, ड्रमाटिक वॉश पैटर्न न हो। साथ ही ऑवर डिजाइन न हो। डिजाइन सिंपल हो और उसका लुक क्लासिक हो।

ऑकेजन का रखें ध्यान

जींस चुनने से पहले आपको इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि आप किस उद्देश्य के लिए खरीदारी कर रहे हैं। ऑफिस में कैजुअल थीम के लिए या फिर दोस्तों के साथ डे-आउट के लिए। अगर आप ऑफिस के लिए चुन रहे हैं तो आपकी जींस सिंपल और क्लासी होनी चाहिए। अगर दोस्तों के साथ डे-आउट पर जा रहे हों तो आप नैरो फिट जींस भी ट्राई कर सकते हैं।

मस्तिष्क के दोनों भागों को सक्रिय करने के तरीके

एक अवधारणा रही है कि मनुष्य अपने दिमाग का प्रयोग शत-प्रतिशत नहीं कर पाता है। लेकिन एक सिद्धांत की मानें तो मस्तिष्क के दो भाग होते हैं, दोनों भाग स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं तथा आपस में लगभग 200 मिलियन नर्व फाइबर्स से जुड़ होते हैं, इसे कारपस केलोसम' नाम से जाना जाता है। इसका मुख्य कार्य है मस्तिष्क के एक भाग से दूसरे भाग को यह कहना है कि वह क्या कर रहा है। मस्तिष्क के ये दोनों भाग देखने में एक-दूसरे के प्रतिबिम्ब लगते हैं, परन्तु उनके कार्यों में काफी अंतर होता है। सामान्यतया मस्तिष्क के दोनों अंग सक्रिय नहीं होते हैं, इसे सक्रिय करने के लिए ये तरीके आजमायें।

शांत और स्थिर मन

मस्तिष्क के दायें और बायें हिस्सों के बीच सामंजस्य बढाने का एक सबसे अच्छा तरीका यह है कि अगर कोई इंसान अपने स्थूल शरीर को शांत और स्थिर रख सकता है, तो शरीर की निश्चलता की इस स्थिति में मस्तिष्क एक बड़े पैमाने पर जुड़ जाता है। इससे किसी भी चीज को जल्दी और आसानी से सीखा जा सकता है।

सिल्वा ध्यान उन्होंने सिल्वा ध्यान विधि का प्रचार किया था। उन्होंने बाएँ हाथ से काम करने वालों को मस्तिष्क के बाएँ हिस्से पर चेतन मन को आँखें बंद करके पहुँचाने और एकाग्रता करने के लिए सचेत किया था। उसी प्रकार जो व्यक्ति दाहिने हाथ से कार्य करते हैं, उन्हें दाहिने मस्तिष्क के भाग पर चेतन मन को केंद्रित करके ध्यान करने की विधि बताई थी।

प्राणायाम प्राणायाम करते समय दोनों स्वर (नाक के भाग) चलने स मस्तिष्क के दोनों भागों को प्राणवायु का संचार होने लगता है और मस्तिष्क के दोनों भाग समान रूप से उन्नत होते हैं। प्राणायाम में अनुलोम-विरोम, सूर्यभेदि प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम एवं उज्जयी प्राणायाम मस्तिष्क के विकास में अत्यधिक मदद करते हैं।

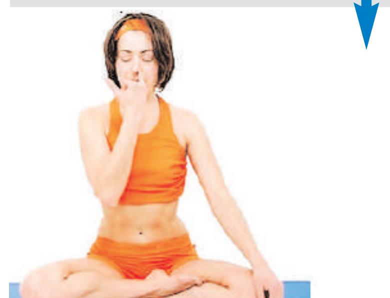

रेसिपी

मखाना चिक्की

सामग्री

मखाने - 100 ग्राम
घी - 200 ग्राम
चीनी - 500 ग्राम
दूध - 1 बड़ा चम्मच

विधि

सबसे पहले सारे मखानों को चार टुकड़ों में काट लीजिए। कड़ाही में घी डाल कर गर्म कीजिए। इसमें थोड़े-थोड़े मखाने डालकर हल्के गुलाबी होने तक तल कर निकाल लीजिए। सारे मखाने को ऐसे ही तल कर रख लीजिए। चाशनी बनाने के लिए कड़ाही में शक्कर और इसका एक तिहाइ पानी डालकर गर्म कर लें। शक्कर घुल जाने के बाद इसमें दूध डाल दीजिए। जब भूरे रंग के झाग ऊपर उठने लगे तो चम्मच की मदद से झाग को बाहर निकाल दीजिए। इस प्रकार गाढ़ी चाशनी तैयार कर लीजिए। अब इस चाशनी में तले हुए मखाने डालकर कलछी से चलाते हुए मिलाइये। इस मिश्रण को घी लगे हुए थाली में निकालकर फैला दीजिए। थोड़ी ही देर में ये जम जाता है। इसे टुकड़ों में काट तक एयर टाइट कंटेनर में रख लीजिए। इसे आप काफी दिनों तक रख सकते हैं।

दही अरबी

सामग्री

अरबी - 250 ग्राम, दही - 150 ग्राम (3/4 कप), तेल - 1-2 चम्मच, अजवायन - आधी छोटी चम्मच, हींग - 1-2 पिंच, हरी मिर्च - 2-3 (बारीक कतरी हुई), हल्दी पाउडर-एक चौथाई छोटी चम्मच, धनियां पाउडर - आधी छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, नमक - स्वादानुसार, गरम मसाला - 1/4 छोटी चम्मच से कम, हरा धनियां - 1 एक बड़ा चम्मच

विधि

सबसे पहले अरबी को धो कर उबाल लीजिये। ठंडा करने के बाद इसे छील कर आधा इंच मोटे और गोल टुकड़ों में काट लीजिए। अब दही को अलग से फेंट लीजिए। इस एक बर्तन में रखकर इसमें अरबी डालें और एक से दो कप पानी मिला दें। इस मिश्रण को गैस पर रखकर तब तक उबालें जब तक सब्जी में उबाल ना आ जाए। उबल जाने पर सब्जी को चलाना बंद कर दें और इसमें नमक, धनिया पाउडर और गरम मसाला डाल दीजिए। तीन से चार मिनट तक पकने देने के बाद गैस बंद कर दें। अब एक छोटी कड़ाही में तेल गर्म करें और इसमें हींग और अजवायन डालें। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, हल्दी पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डाल कर हल्का सा भूनें। इन सभी को अच्छे से मिला कर सब्जी में डाल कर अच्छे से मिक्स कर दें। दही अरबी तैयार है। धनिया की पत्ती से सजायें, इसे आप पूरी, पराठे के साथ सर्व करें।

साहा लाइफ ऑफ संजू का प्रीमियर शो आयोजित

हैदराबाद के प्रसाद सिनेमा में फिल्म ..साहा – लाइफ ऑफ संजू.. के प्रीमियर शो का आयोजन किया गया। इस खास मौके पर स्नैप्स इंडिया के संपादक और मल्टीस्पोर्ट प्रमोटर मोहम्मद शम्सुद्दीन को मुख्य अतिथि (गेस्ट ऑफ ऑनर) के रूप में आमंत्रित किया गया था।

रेड कार्पेट पर मुख्य अभिनेत्री श्वेता लक्ष्मण के साथ मोहम्मद शम्सुद्दीन मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे।

इस प्रीमियर शो में सिनेमा और पत्रकारिता जगत के कई प्रमुख चेहरे एक साथ नजर आए। कार्यक्रम में गुजरात के वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु पंड्या, अभिनेत्री व्रजना पंड्या, फिल्म के निर्देशक और लेखक निशांत दोती, मुख्य अभिनेत्री श्वेता लक्ष्मण और सम्मानित अतिथि, स्नैप्स इंडिया के संपादक व मल्टीस्पोर्ट प्रमोटर मोहम्मद शम्सुद्दीन विशेष रूप से उपस्थित रहे।यह प्रीमियर शो 3 सितंबर, 2026 को रात 8:00 बजे हैदराबाद स्थित प्रसाद सिनेमा में आयोजित किया गया था। इस दौरान फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और मेहमानों ने अपनी उपस्थिति से शाम को यादगार बना दिया।

संपादकीय

मृत नहीं, बम-बम आर्थिकी

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी आंकी गई है। हम इसे नकार नहीं सकते, क्योंकि यह भारत सरकार के 'राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय' (एनएसओ) के अर्थशास्त्रियों का निष्कर्ष है। यह विकास दर इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईरान युद्ध का कालखंड रहा है। युद्ध के कारण तेल-गैस, उर्वरक, खाद्य और अन्य सामान के संकट दुनिया ने झेले हैं और युद्ध अब भी जारी है। सप्लाई चेन अब भी बाधित है। होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी लगभग बंद है। ईरान का डंडा चल रहा है, बेशक अमरीका कुछ भी दावे करे। युद्ध के अलावा, अल-नीनो और ट्रंपवादी टैरिफ के प्रभाव भी रहे हैं, लिहाजा भारत की वास्तविक जीडीपी की यह दर और नॉमिनल जीडीपी की 10.3 फीसदी विकास दर, यकीनन, बेहतर अर्थव्यवस्था के प्रमाण हैं। यकीनन देश प्रगति कर रहा है। जीएसटी संग्रह भी 1.99 लाख करोड़ रुपए, यकीनन, एक रिकॉर्ड है। कमोबेश भारत की अर्थव्यवस्था 'मृत' नहीं है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उगला था। बाद में नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी ने न केवल 'मृत अर्थव्यवस्था' करार दिया, बल्कि 'आर्थिक सुनामी' की भविष्यवाणी भी की। देश ने दोनों को ही गंभीरता से नहीं लिया और अब 'विकास की सुनामी' का यथार्थ सामने है। भारत का खनन क्षेत्र 'नकारात्मक' (-2.4 फीसदी) रहा है, लेकिन कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, निर्माण, सर्विस, व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाएं, रियल एस्टेट, लोक प्रशासन आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि पिछले साल की तुलना में कृषि की विकास दर ने 0.8 फीसदी का गोता खाया है, फिर भी यह 3.6 फीसदी रही है। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस क्षेत्र में बढ़ोतरी क्रमशः 10.7 और 10 फीसदी दर्ज की गई है। उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर भी 5.2 फीसदी आंकी गई है। जीडीपी गणना की प्रक्रिया और प्रणाली पर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों ने लगातार सवाल उठाए हैं। वे इसमें 2.5 फीसदी के 'फर्जीवाड़े' का आकलन करते रहे हैं। हम फिलहाल इस विवाद को यहीं छोड़ते हैं। जीडीपी की विकास दर को स्वीकार करते हुए कुछ जिज्ञासाएं पेश करना चाहते हैं। हम महंगाई, गरीबी, करीब 81.5 करोड़ भारतीयों को 'मुफ्त अनाज' जैसे मुद्दे भी छोड़ते हैं, क्योंकि एक वर्ग इन मुद्दों को विकास दर में घुसाना 'आर्थिक निरक्षरता' मानता है। बहरहाल सवाल और जिज्ञासा यह है कि जीडीपी के ये आंकड़े देश के शीर्ष 100 अरबपतियों की तीन गुना बढ़ी संपत्तियों की बदौलत हैं अथवा इसमें देश के कामकाजी वर्ग, श्रम-बल, निजी खपत और निवेश के भी आंकड़े शामिल हैं? यदि हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर लगभग यही रही है या 7 फीसदी के करीब रही है, तो देश की प्रति व्यक्ति आय 2.35 लाख-2.72 लाख रुपए के बीच क्यों है? भारत दुनिया में 144-149वें स्थान तक क्यों रहता है? जर्मनी और जापान की प्रति व्यक्ति आय क्रमशः करीब 54-55 लाख रुपए और 29-30 लाख रुपए है। दोनों देश तीसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। कोई तुलना है क्या? क्रय-शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर भी भारत 121-125वें स्थान पर क्यों है? भारत और जापान की जीडीपी में कोई खास अंतर नहीं है। बहरहाल 'आर्थिक असमानता' की यह खाई कब तक भरी जाएगी? अरबपतियों की दौलत तो बढ़ती रहेगी, लेकिन आम आदमी की औसत आमदनी 1 फीसदी भी क्यों नहीं बढ़ पाई है? यदि प्रधानमंत्री मोदी इन सवालों का तार्किक जवाब दे पाएंगे, तो देश भी उनकी बधाई और शुभकामनाएं स्वीकार कर लेगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ही, 18-29 साल के आयु-वर्ग के 14.8 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त 29.4 फीसदी युवाओं के पास निश्चित, स्थिर काम नहीं है। नीट श्रेणी के 40.1 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। क्या इनसे भयावह यथार्थ कोई और हो सकता है? बेशक सरकार दावा कर रही है कि देश की बेरोजगारी दर 5.1 फीसदी है। यदि युवा जैसी सबसे उर्वर आयु और जमात बेरोजगार है, तो कौन-सी आर्थिकी 'बम-बम' है? एक और डराने वाला आंकड़ा सामने आया है कि करीब 8 करोड़ लोग वापस कृषि की ओर चले गए हैं। वे रोजगार में हैं अथवा बेरोजगार हैं, सरकार और नीति आयोग स्पष्ट करें। बेशक शेयर बाजार में विदेशी निवेशक बढ़े हैं, बीते एक साल में करीब 30 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है, देश में 18 करोड़ ईपीएफ के नए खाते खुले हैं, लेकिन अभी यह विकास आश्वस्त करने वाला नहीं है। देश के आर्थिक विकास के लिए युवाओं को रोजगार प्रदान करना होगा। सार्वजनिक क्षेत्र में सरकारों के पास इतनी नौकरियां नहीं हैं कि सभी को सरकारी रोजगार दिया जा सके। इसलिए सरकारी क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र को भी प्रोत्साहन देना होगा, ताकि वह युवाओं को वांछित संख्या में रोजगार दे सके।

युद्ध के अलावा, अल-नीनो और ट्रंपवादी टैरिफ के प्रभाव भी रहे हैं, लिहाजा भारत की वास्तविक जीडीपी की यह दर और नॉमिनल जीडीपी की 10.3 फीसदी विकास दर, यकीनन, बेहतर अर्थव्यवस्था के प्रमाण हैं। यकीनन देश प्रगति कर रहा है। जीएसटी संग्रह भी 1.99 लाख करोड़ रुपए, यकीनन, एक रिकॉर्ड है। कमोबेश भारत की अर्थव्यवस्था 'मृत' नहीं है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उगला था। बाद में नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी ने न केवल 'मृत अर्थव्यवस्था' करार दिया, बल्कि 'आर्थिक सुनामी' की भविष्यवाणी भी की। देश ने दोनों को ही गंभीरता से नहीं लिया और अब 'विकास की सुनामी' का यथार्थ सामने है। भारत का खनन क्षेत्र 'नकारात्मक' (-2.4 फीसदी) रहा है, लेकिन कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, निर्माण, सर्विस, व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाएं, रियल एस्टेट, लोक प्रशासन आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि पिछले साल की तुलना में कृषि की विकास दर ने 0.8 फीसदी का गोता खाया है, फिर भी यह 3.6 फीसदी रही है। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस क्षेत्र में बढ़ोतरी क्रमशः 10.7 और 10 फीसदी दर्ज की गई है। उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर भी 5.2 फीसदी आंकी गई है। जीडीपी गणना की प्रक्रिया और प्रणाली पर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों ने लगातार सवाल उठाए हैं। वे इसमें 2.5 फीसदी के 'फर्जीवाड़े' का आकलन करते रहे हैं। हम फिलहाल इस विवाद को यहीं छोड़ते हैं।

कुछ अलग

सवारी सामान की खुद जिम्मेदार

लगता है इस देश के हर कोने में अपनी गठरियों में चोर लगे हुए हैं, और हर मोड़ पर सूचना पट्टिकाएं लगी हुई हैं, कि सवारी अपने सामान की खुद जिम्मेदार है। पहले इन सवारियों की बात कर लें। ये जीर्ण शीर्ण उखड़े हुए लोग हैं जो आजादी का महोत्सव मनाने के बाद उसका शतकीय महोत्सव और अधूरे पुलों पर नारों की खुराक और वाचाल भाषणों की मुखरता से मना रहे हैं। भाषण भी ऐसे कि जो हर बरस लम्बे होते जाने का रिकार्ड बनाते जा रहे हैं, और इन्हें लिखते हुए देसी फिल्मों के टक्साली संवाद लेखक भी पशेमान हो जाते हैं। कृत्रिम मेधा अपने आप को असमर्थ पाती है, क्योंकि उसे तो इस विषय पर दुनिया भर के दिए गए सब भाषणों को काट-पीट कर नया भाषण बनाना है, लेकिन जब हर बार संवादों को दुहराने का अंदाज हो तो कृत्रिम मेधा नया भाषण कहां से लाए? उनका भाषण देने का अंदाज भी इतना प्रभावशाली होता है कि लोग आजकल दंगल देखने नहीं जाते।

जन्माष्टमी (4 सितंबर) पर विशेष

ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत संगम है श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन-दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम-परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है। श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में विरोधाभास दिखाई देने वाले अनेक गुण एक साथ समाहित हो जाते हैं। वे द्वारका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यतः 'राजा श्रीकृष्ण' नहीं कहा जाता। वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचैया हैं। यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए। उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल-बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय तक पहुंचता था।

भगवान श्रीकृष्ण भारत की माटी, भारत की आत्मा और भारत के जनजीवन की धड़कन हैं। वे केवल आराधना के देवता नहीं, बल्कि जीवन को देखने की एक दृष्टि, संघर्षों से जूझने की प्रेरणा और भविष्य की ओर बढ़ने की दिशा हैं। वे ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत एवं निराला संगम हैं। श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन-दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम-परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है। श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में विरोधाभास दिखाई देने वाले अनेक गुण एक साथ समाहित हो जाते हैं। वे द्वारका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यतः 'राजा श्रीकृष्ण' नहीं कहा जाता। वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचैया हैं। यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए। उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल-बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय तक पहुंचता था। श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि श्रेष्ठ नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की कला है। उन्होंने सत्ता को कभी व्यक्तिगत सुख का साधन नहीं बनाया। समाज और राष्ट्र की व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी और धर्म उनकी आत्मनिष्ठा। इसीलिए उन्होंने परिस्थितियों से पलायन नहीं किया। जहां प्रेम की आवश्यकता थी वहां प्रेम दिया, जहां मित्रता की आवश्यकता थी वहां मित्र बने, जहां संवाद जरूरी था वहां संवाद किया और जहां अधर्म का प्रतिकार आवश्यक हुआ वहां अत्यंत कठोर होकर सामने आए। यही संतुलन कुशल नेतृत्व की सबसे बड़ी पहचान है। आज प्रबंधन की दुनिया में निर्णय क्षमता, समय-प्रबंधन, संकट-प्रबंधन, नेतृत्व,

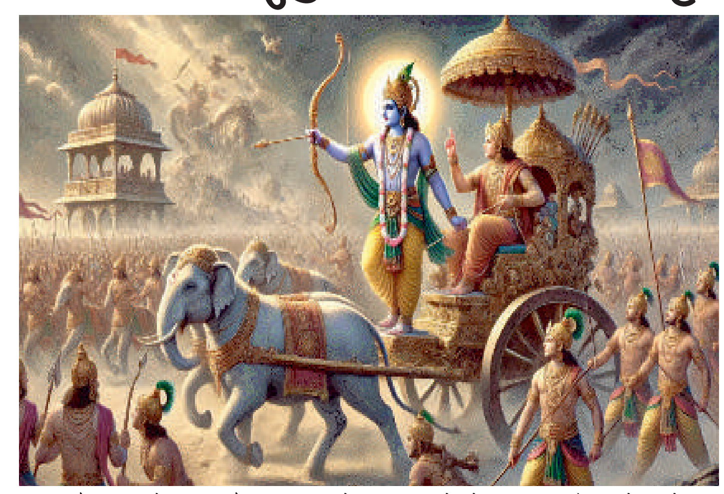

संवाद-कौशल, मनोविज्ञान और रणनीति को सफलता की अनिवार्य शर्त माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन जब मोह और मानसिक द्वंद्व से घिरकर अपने कर्तव्य से विमुख होने लगे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें केवल युद्ध के लिए प्रेरित नहीं किया, बल्कि जीवन का विराट दर्शन दिया। उन्होंने अर्जुन को कर्म का मर्म समझाया-मनुष्य का अधिकार कर्म पर है, परिणाम पर नहीं। यह संदेश आज भी हर विद्यार्थी, कर्मचारी, उद्यमी, प्रशासक, राजनीतिज्ञ और सामान्य व्यक्ति के लिए उतना ही उपयोगी है। हमारी सबसे बड़ी कमजोरी अक्सर कर्म से अधिक परिणाम की चिंता होती है। परिणाम की चिंता मन को भय, तनाव और असमंजस से भर देती है। श्रीकृष्ण का कर्मयोग इस मानसिक बोझ से मुक्ति का मार्ग देता है। अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा, क्षमता और ईमानदारी से करना और परिणाम को व्यापक व्यवस्था पर छोड़ देना-यह जीवन-प्रबंधन का ऐसा सूत्र है जिसकी उपयोगिता कभी समाप्त नहीं हो सकती। श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी-स्थिर बुद्धि। शिशुपाल ने राजसूय यज्ञ की सभा में उन्हें लगातार अपमानित किया, फिर भी वे शांत रहे। दुर्योधन के दरबार में शांति-दूत बनकर गए और वहां भी उनका अपमान हुआ, लेकिन वे विचलित नहीं हुए। इससे हमें सीख मिलती है कि उत्तेजना में लिया गया निर्णय प्रायः समस्या बढ़ाता है, जबकि शांत मन समाधान का रास्ता खोलता है। आधुनिक परिवारों से लेकर संसद, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक, यह प्रबंधन-सूत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है। श्रीकृष्ण केवल युद्धनीति के ज्ञाता नहीं थे, वे शांति के भी सबसे बड़े समर्थक थे। महाभारत का युद्ध उनकी पहली पसंद नहीं था। उन्होंने युद्ध रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। जब संवाद और न्याय की संभावनाएं समाप्त हो गईं, तभी धर्म की रक्षा के लिए युद्ध का मार्ग स्वीकार किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि शक्ति का अर्थ हिंसा नहीं, बल्कि न्याय की रक्षा करने की क्षमता है। सच्ची शांति वही है जिसके पीछे न्याय और आत्मबल की शक्ति हो। श्रीकृष्ण का सामाजिक दृष्टिकोण भी अत्यंत व्यापक था। उन्होंने ग्रामीण जीवन, गौ-संस्कृति, प्रकृति और सामुदायिक जीवन को सम्मान दिया। गोवर्धन प्रसंग हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामुदायिक एकता का संदेश देता है। माखन और दूध-दही के प्रसंगों को केवल बाल-क्रीड़ा के रूप में देखने के बजाय उनमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय संसाधनों की रक्षा का संदेश भी देखा जा सकता है। श्रीकृष्ण का लोकजीवन से जुड़ाव बताता है कि कोई भी राष्ट्र तभी मजबूत बन सकता है जब उसकी विकास-यात्रा गांवों, किसानों, श्रमिकों और सामान्य नागरिकों को साथ लेकर चले। उनका व्यक्तित्व एक अद्भुत समन्वय है। वे अर्जुन के सारथी हैं और साथ ही विश्वरूप के दर्शन कराने वाले योगेश्वर। वे सुदामा के मित्र हैं और अत्याचारियों के लिए सुदर्शन चक्रधारी। वे बांसुरी की मधुरता हैं तो धर्मरक्षा के लिए आवश्यक कठोरता भी। वे प्रेम हैं, करुणा हैं, नीति हैं, रणनीति हैं, त्याग हैं और कर्म हैं। इसीलिए श्रीकृष्ण को किसी एक सीमा में बांधना उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना होगा। श्रीकृष्ण का एक महत्वपूर्ण संदेश है कि व्यक्ति को अपनी क्षमताओं का बहुआयामी विकास करना चाहिए। परंपरा में उनके द्वारा चौंसठ कलाओं के ज्ञान का उल्लेख मिलता है। इसका व्यापक संदेश यह है कि शिक्षा केवल रोजगार पाने का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व को पूर्ण बनाने की प्रक्रिया है। आज के समय में जब शिक्षा को केवल अंक, नौकरी और प्रतियोगिता तक सीमित करने का खतरा है, श्रीकृष्ण का जीवन हमें ज्ञान, कला, कौशल, सृजनशीलता और चरित्र के समन्वय की प्रेरणा देता है। श्रीकृष्ण की राजनीति सत्ता प्राप्ति की राजनीति नहीं, बल्कि लोककल्याण और धर्मस्थापना की राजनीति थी। उनके जीवन में हमें यह सूत्र मिलता है कि सत्ता पर नैतिकता का अंकुश होना चाहिए और शक्ति का उपयोग जनहित के लिए होना चाहिए। आज भारत विकसित भारत के 2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। आर्थिक शक्ति, विज्ञान, तकनीक, रक्षा, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक समरसता-हर क्षेत्र में भारत नई संभावनाओं की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण का दर्शन हमें बताता है कि विकास केवल भौतिक समृद्धि का नाम नहीं है। विकास तब सार्थक होगा जब उसमें चरित्र होगा, कर्तव्य होगा, करुणा होगी, न्याय होगा और अंतिम व्यक्ति के जीवन में भी आशा का प्रकाश पहुंचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण की जो व्यापक यात्रा चल रही है, उसमें श्रीकृष्ण के कर्म, कर्तव्य, रणनीति, राष्ट्रहित और लोककल्याण के आदर्शों से प्रेरणा लेने की बड़ी संभावनाएं हैं। अंतरराष्ट्रीय जीवन में भी श्रीकृष्ण का संदेश महत्वपूर्ण है।

देश दुनिया से

तकनीक बदली, गुरु की भूमिका नहीं

भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य कभी केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं रहा। गुरु-शिष्य परंपरा में ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन, आत्मसंयम, सेवा, कर्तव्य और विवेक को महत्व दिया जाता था। महर्षि संदीपनि और श्रीकृष्ण, द्रोणाचार्य और अर्जुन, चाणक्य और चंद्रगुप्त तथा रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जैसे उदाहरण बताते हैं कि गुरु केवल विषय का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण करने वाला मार्गदर्शक होता है। कबीर ने गुरु की इसी भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा था- 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पांय।' यह सच है कि आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। मोबाइल, इंटरनेट, ऑनलाइन कक्षाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने ज्ञान तक पहुंच को अभूतपूर्व रूप से आसान बना दिया है। कुछ सेकंड में किसी विषय की जानकारी हासिल की जा सकती है। स्वयम (एसडब्लूएवाईएएम) और दीक्षा (डीआईकेएसएचए) जैसे डिजिटल मंचों ने शिक्षा को कक्षा और स्थान की सीमाओं से बाहर निकाला है। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और अपार (एपीएआर) जैसी व्यवस्थाएं उच्च शिक्षा को अधिक लचीला बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। यह तकनीकी परिवर्तन स्वागतयोग्य है, लेकिन इसके बीच हमें एक बुनियादी अंतर समझना होगा- जानकारी और ज्ञान एक ही चीज नहीं हैं। इंटरनेट जानकारी दे सकता है, लेकिन यह नहीं सिखा सकता कि कौनसी जानकारी सही है और कौनसी भ्रामक। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्तर तैयार कर सकती है, लेकिन यह तय नहीं कर सकती कि विद्यार्थी उस उत्तर का नैतिक और व्यावहारिक उपयोग कैसे करे। कोई डिजिटल प्लेटफॉर्म परीक्षा की तैयारी करा सकता है, लेकिन असफलता के बाद फिर खड़े होने का आत्मविश्वास नहीं दे सकता। मशीन विद्यार्थी की गलती बता सकती है, पर उसके पीछे छिपे डर, संकोच या आत्मविश्वास की कमी को समझने के लिए मानवीय संवेदना चाहिए। यही वह क्षेत्र है जहां शिक्षक की भूमिका तकनीक से ऊपर दिखाई देती है। विडंबना यह है कि शिक्षा का विस्तार जितना हुआ है, सीखने की गुणवत्ता की चुनौती उतनी ही गंभीर बनी हुई है। उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की संख्या बढना अच्छी बात है, लेकिन डिग्री और रोजगार के बीच संबंध कमजोर रहा तो यह उपलब्धि अधूरी रह जाएगी। नई अर्थव्यवस्था को केवल डिग्रीधारी युवा नहीं, बल्कि ऐसे युवा चाहिए जो समस्या का समाधान कर सकें, तकनीक को समझ सकें, संवाद कर सकें, नए कौशल सीख सकें और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें। इसलिए विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय तक व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और उद्योग की जरूरतों को शिक्षा से जोडना समय की मांग है। तकनीक के दौर में शिक्षक को भी बदलना होगा। यदि शिक्षक डिजिटल साधनों और एआई से दूरी बनाए रखेगा तो वह नई पीढ़ी से संवाद में पीछे रह सकता है। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि एआई शिक्षक का स्थान ले ले। सही रास्ता दोनों के संतुलन में है। सोशल मीडिया की लगातार बढ़ती मौजूदगी, त्वरित सफलता की चाह, उपभोक्तावाद और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने बच्चों और युवाओं के सामने नई मनोवैज्ञानिक और सामाजिक चुनौतियां खड़ी की हैं। ऐसे समय में शिक्षा यदि केवल अंक, रैंक और नौकरी तक सीमित रह गई तो समाज को कुशल पेशेवर तो मिल सकते हैं, लेकिन जिम्मेदार नागरिकों की कमी बनी रह सकती है। सत्य, ईमानदारी, अनुशासन, सहिष्णुता, संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी जैसे मूल्य शिक्षा के मूल में होने चाहिए। शिक्षक का आचरण भी विद्यार्थियों के लिए किसी पाठ्यपुस्तक से कम प्रभावशाली नहीं होता। जिस शिक्षक में समय की पाबंदी, अनुशासन, ईमानदारी, संवेदना और सीखने की निरंतर इच्छा होगी, वह बिना किसी अलग नैतिक शिक्षा के भी विद्यार्थियों को बहुत कुछ सिखा देगा। शिक्षा पर पर्याप्त निवेश भी इस परिवर्तन की बुनियादी आवश्यकता है। अच्छे विद्यालय केवल भवन से नहीं बनते। पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल मैदान, इंटरनेट और डिजिटल उपकरण आवश्यक हैं, लेकिन उनसे अधिक आवश्यक है ऐसा शैक्षिक वातावरण जहां शिक्षक को सम्मान मिले और विद्यार्थी बिना भय के प्रश्न पूछ सके। परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन शिक्षा का अंतिम लक्ष्य केवल अंक प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। विद्यार्थी में जिज्ञासा, रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करना अधिक महत्वपूर्ण है। यहां गुरु की भूमिका निर्णायक है। तकनीक विद्यार्थी को दुनिया से जोड़ सकती है, लेकिन शिक्षक उसे अपने समाज और जिम्मेदारियों से जोड़ता है। तकनीक उसे सूचना दे सकती है, लेकिन गुरु उस सूचना को ज्ञान और ज्ञान को जीवन-दृष्टि में बदलने में सहायता करता है। आजादी के बाद भारत ने शिक्षा की पहुंच और विस्तार में असाधारण प्रगति की है। अब अगली मंजिल अधिक विद्यालय या अधिक डिग्रियां भर नहीं, बल्कि बेहतर सीखने, बेहतर कौशल और बेहतर चरित्र का निर्माण है। भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो प्रयोगशाला में वैज्ञानिक, खेत में तकनीक समझने वाला किसान, उद्योग में कुशल युवा, समाज में संवेदनशील नागरिक और राष्ट्र के लिए जिम्मेदार मनुष्य तैयार करे। इसलिए तकनीक का स्वागत पूरी शक्ति से होना चाहिए, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उसके सामने छोटा करके नहीं। भविष्य की शिक्षा में स्मार्ट कक्षा हो सकती है, डिजिटल पुस्तकालय हो सकता है, एआई सहायक हो सकता है, लेकिन विद्यार्थी के व्यक्तित्व को समझने वाला, उसकी क्षमता को पहचानने वाला और असफलता के समय उसका हाथ थामने वाला गुरु फिर भी आवश्यक रहेगा। तकनीक उत्तर खोज सकती है, गुरु सही प्रश्न करना सिखाता है। तकनीक ज्ञान तक पहुंच बना सकती है, गुरु उस ज्ञान को विवेक में बदलता है।

आप का नज़रिया

ये दुनिया उसी की, जमाना उसी का

हम सब जीवन में कुछ न कुछ पाने की दौड़ में लगे हैं। कोई धन चाहता है, कोई पद, कोई प्रतिष्ठा, कोई सुरक्षा, तो कोई अमर होने जैसा नाम। लेकिन इस दौड़ में एक विचित्र विडंबना यह है कि हम में से अधिकांश लोग जीने की तैयारी करते-करते पूरा जीवन बिता देते हैं। हम घर बना लेते हैं, पर उसमें रहने का समय नहीं निकाल पाते। हम साधन जुटा लेते हैं, पर उनका आनंद नहीं ले पाते। हम भविष्य को सुरक्षित करने में इतने व्यस्त रहते हैं कि वर्तमान हमारी मु_ी में से रेत की तरह फिसल जाता है। शायद इसी कारण संसार में सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संतुष्टि नहीं। प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास धन कितना, सोना कितना है, भवन कितने हैं, नौकर-चाकर कितने हैं, सुविधाएं कितनी हैं, प्रश्न यह है कि हम जो जीवन जी रहे हैं, इस जीवन में जो कुछ भी कर रहे हैं, उसे कितनी गहराई से जी पा रहे हैं। सच तो यह है कि संसार उस व्यक्ति का नहीं जिसके पास सबसे अधिक है, बल्कि उसका है जो जीवन का सबसे अधिक रस ले पाता है। इसीलिए यह आवश्यक है कि हम 'आनंद' शब्द का असली मतलब समझें। आनंद का अर्थ उच्छृंखल मनोरंजन या क्षणिक मौज-मस्ती नहीं है। आनंद का अर्थ है, वर्तमान क्षण के साथ पूरी सजगता से उपस्थित होना। एक कप चाय को केवल पीना नहीं, उसका स्वाद महसूस करना। वर्षा को केवल मौसम न मानना, बल्कि उसकी बूंदों की धुन सुनना। परिवार के साथ बैठना केवल औपचारिकता न हो, बल्कि आत्मीयता का उत्सव बने। जीवन का आनंद उन्हीं को मिलता है जो अनुभवों को जीते हैं, केवल घटनाओं को घटित नहीं होने देते। जीवन से संघर्ष करने वाला व्यक्ति थक जाता है, जीवन के साथ सहयोग करने वाला व्यक्ति खिल उठता है। सवाल यह है कि बेशुमार धन, सारी सुविधाओं और सारे सुखों के बावजूद अक्सर हम आनंद से वंचित क्यों रह जाते हैं? इसका उत्तर बाहर नहीं, हमारे मन की संरचना में छिपा है। हम तुलना करते हैं, प्रतिस्पर्धा में उलझते हैं, ईर्ष्या पालते हैं, भविष्य की चिंता करते हैं, अतीत का बोझ ढोते हैं और अपने निर्णय भी अक्सर इस आधार पर लेते हैं कि 'लोग क्या कहेंगे?' परिणाम यह होता है कि हमारा ध्यान जीवन पर नहीं, दूसरों के जीवन पर अधिक रहने लगता है। जिस क्षण तुलना शुरू होती है, उसी क्षण आनंद समाप्त हो जाता है, क्योंकि तुलना हमें हमारी कमी दिखाती है, जबकि आनंद हमें हमारे पास जो है, उसकी समृद्धि का अनुभव कराता है। आधुनिक मनोविज्ञान और न्यूरोसाइंस भी अब इसी दिशा में संकेत कर रहे हैं। जब हमें कोई उपलब्धि मिलती है, तो मस्तिष्क में डोपामीन सक्रिय होता है। यह उत्साह देता है, लेकिन थोड़े समय के लिए। इसलिए अगली उपलब्धि की भूख जल्दी ही पैदा हो जाती है। इसके विपरीत सेरोटोनिन संतोष, आत्मविश्वास और मानसिक स्थिरता से जुड़ा है। यही कारण है कि उपलब्धियों से अधिक अर्थपूर्ण जीवन और स्वस्थ संबंध व्यक्ति को दीर्घकालिक प्रसन्नता देते हैं। सकारात्मक मनोविज्ञान के अग्रणी विद्वान मार्टिन सेलिगमैन ने भी अपने शोधों में दिखाया कि खुशी केवल सुखद अनुभवों से नहीं, बल्कि उद्देश्य, संबंध, उपलब्धि और अर्थपूर्ण जीवन से बनती है। सकारात्मक मनोविज्ञान के प्रमुख स्तंभों में गिने जाने वाले विश्व प्रसिद्ध हंगेरियन-अमेरिकी मनोवैज्ञानिक मिहाई चिक्सेंटमिहाई ने 'फ्लो स्टेट' का सिद्धांत दिया, जिसमें व्यक्ति किसी सार्थक कार्य में इतना डूब जाता है कि समय का बोध भी कम हो जाता है। यही अवस्था आनंद के सबसे प्रामाणिक अनुभवों में से एक मानी जाती है। आज न्यूरोसाइंस यह भी प्रमाणित कर चुका है कि कृतज्ञता का नियमित अभ्यास मस्तिष्क के न्यूरल नेटवर्क को सकारात्मक दिशा में बदल सकता है। इसका अर्थ यह है कि धन्यवाद कहना केवल संस्कार नहीं, मस्तिष्क के लिए भी एक स्वस्थ अभ्यास है। आइये, अब हम खुद से ही पूछते हैं कि दुनिया वास्तव में किसकी है? क्या केवल सबसे अमीर व्यक्ति की? क्या सबसे शक्तिशाली की? क्या सबसे प्रसिद्ध की? यदि ऐसा होता, तो संसार के सभी धनवान सबसे अधिक प्रसन्न होते। वास्तविकता इसके विपरीत है।

प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास धन कितना, सोना कितना है, भवन कितने हैं, नौकर-चाकर कितने हैं, सुविधाएं कितनी हैं, प्रश्न यह है कि हम जो जीवन जी रहे हैं, इस जीवन में जो कुछ भी कर रहे हैं, उसे कितनी गहराई से जी पा रहे हैं। सच तो यह है कि संसार उस व्यक्ति का नहीं जिसके पास सबसे अधिक है, बल्कि उसका है जो जीवन का सबसे अधिक रस ले पाता है। इसीलिए यह आवश्यक है कि हम 'आनंद' शब्द का असली मतलब समझें। आनंद का अर्थ उच्छृंखल मनोरंजन या क्षणिक मौज-मस्ती नहीं है। आनंद का अर्थ है, वर्तमान क्षण के साथ पूरी सजगता से उपस्थित होना। एक कप चाय को केवल पीना नहीं, उसका स्वाद महसूस करना। वर्षा को केवल मौसम न मानना, बल्कि उसकी बूंदों की धुन सुनना। परिवार के साथ बैठना केवल औपचारिकता न हो, बल्कि आत्मीयता का उत्सव बने। जीवन का आनंद उन्हीं को मिलता है जो अनुभवों को जीते हैं, केवल घटनाओं को घटित नहीं होने देते। जीवन से संघर्ष करने वाला व्यक्ति थक जाता है, जीवन के साथ सहयोग करने वाला व्यक्ति खिल उठता है। सवाल यह है कि बेशुमार धन, सारी सुविधाओं और सारे सुखों के बावजूद अक्सर हम आनंद से वंचित क्यों रह जाते हैं? इसका उत्तर बाहर नहीं, हमारे मन की संरचना में छिपा है।

दृष्टि कोण

सिंधु जल विवाद केस जीतकर भी दुखी पाक

नीदरलैंड के हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (परमानेंट कोर्ट ऑफ़ आर्बिट्रेशन) द्वारा सिंधु जल विवाद के एकतरफा फैसले पर पाकिस्तान बल्ले-बल्ले, शाबाश-शाबाश करने लगा है। हेग स्थित 'पीसीए' ने सोमवार को फैसला सुनाया है कि भारत एकतरफा तरीके से सिंधु जल संधि को सस्पेंड नहीं कर सकता। कोर्ट ने नई दिल्ली की उन सभी दलीलों को खारिज कर दिया है, जिनका इस्तेमाल उसने छह दशक पुराने जल-बंटवारे के समझौते को अप्रैल, 2025 से 'स्थगित' रखने को सही ठहराने के लिए किया था। सोमवार को सुनाए गए सर्वसम्मत फैसले में पांच सदस्यीय कोर्ट ने पाया कि संधि 'पूरी तरह से लागू है' और भारत को इसके तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करना होगा। इसमें पाकिस्तान की ओर बहने वाली नदियों पर पनबिजली परियोजनाओं के डिजाइन और संचालन से जुड़ी जिम्मेदारियां भी शामिल हैं। पहलगाम हमला 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के बैसारन घास के मैदानों में हुआ था, जिसमें पाक-पोषित बंदूकधारियों ने बर्बरता से 26 लोगों की जान ले ली थी। बंदूकधारियों ने गोली दागने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा था। इस नरसंहार के बाद, भारत ने कहा था कि वह संधि को तब तक सस्पेंड रखेगा, जब तक पाकिस्तान सीमा-पार आतंकवाद को 'विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय' रूप से खत्म नहीं कर देता। इस्लामाबाद इन आरोपों से इनकार करता है कि वह हमले के पीछे था। लेकिन माजी में दी उसकी धमकियों से कोई मानने को तैयार नहीं कि पहलगाम कांड में उसका हाथ नहीं रहा है। बहरहाल, पाकिस्तान द्वारा

हेग में लाए गए सिंधु जल संधि मामले में भारत ने परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) के अधिकार क्षेत्र को मानने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान में जलविद्युत परियोजनाएं बनवाने वाला चीन इस पूरे मामले में चुप्पी साधे हुए है। माजी में चीन ने भी परमानेंट कोर्ट ऑफ़ आर्बिट्रेशन के एक ऐतिहासिक फैसले को खारिज कर दिया था, जो दक्षिण चीन सागर के विवाद पर फिलीपींस के पक्ष में आया था। ऐसा नहीं कि नीदरलैंड के हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय में भारत ने कोई केस लड़ा ही नहीं। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत अब तक 30 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मामलों का हिस्सा रहा है। मगर सवाल है, परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने यदि पाकिस्तान के पक्ष में फैसला सुना भी दिया, तो उसे लागू कैसे करवाएगा? भारत ने कुछ ही घंटों में इस फैसले को खारिज कर दिया था। यह दिलचस्प है कि 1 सितंबर, 2026 को किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित 26वें शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एक ही मंच पर मौजूद रहे, लेकिन दोनों में न बात हुई, न इस विषय पर कोई चर्चा। हालांकि, इस्लामाबाद में रहने वाले हाइड्रोलॉजी और जल संसाधन विशेषज्ञ हसन अब्बास इस बात से सहमत नहीं थे कि समझौते के टूटने से फिलहाल पाकिस्तान के लिए कोई तत्काल खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अभी कोई बड़ा खतरा है। पश्चिमी नदियां भौगोलिक स्थिति की वजह से सुरक्षित हैं, न कि मुख्य रूप से संधि की वजह से।' हसन अब्बास ने बताया कि चिनाब नदी पर भारत की स्टोरेज क्षमता लगभग 1 मिलियन एकड़-फीट (405,000 हेक्टेयर-फीट) है, जो पाकिस्तान की मौसमी सिंचाई की जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है। उन्होंने कहा, 'अगर वे कहते हैं कि वे पानी नहीं बहने देंगे, तो वे खुद ही बाढ़ की चपेट में आ जाएंगे, क्योंकि भारत के बांध रन-ऑफ-रिवर हाइड्रोपावर प्लांट हैं, जिनमें पानी जमा करने की जगह बहुत कम होती है।'

तेलंगाना वाटर पोलो टीम 52वीं जूनियर राष्ट्रीय जलीय चैंपियनशिप के लिए तैयार

7सीज़ एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने टीम को यूनिफॉर्म किट प्रदान की, लिंगमनेनी अनिरुद्ध बने कप्तान

हैदराबाद । तेलंगाना राज्य वाटर पोलो टीम 7 से 12 सितंबर तक इंदौर में आयोजित होने वाली 52वीं जूनियर राष्ट्रीय जलीय चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए तैयार है। प्रतियोगिता इंदौर के पिपलियाहाना स्क्वायर, सेक्टर-एफ, रिंग रोड स्थित अंतरराष्ट्रीय स्विमिंग पूल में आयोजित की जाएगी।

गुरुवार को गझचीबावली एक्वेटिक स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 7सीज़ एंटरटेनमेंट लिमिटेड की ओर से तेलंगाना राज्य वाटर पोलो टीम के खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजर और कोच को टी-शर्ट एवं वाटर पोलो किट प्रदान की गई। कंपनी ने टीम की आयोजन किट को प्रायोजित किया है।

तेलंगाना राज्य जूनियर वाटर पोलो टीम प्रतियोगिता की बालक वर्ग की स्पर्धा में हिस्सा लेगी। लिंगमनेनी अनिरुद्ध को टीम का कप्तान चुना गया है। टीम राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के उद्देश्य से पूरी तैयारी के साथ प्रतियोगिता में उतरेगी।

कार्यक्रम में पी. चंद्रशेखर रेड्डी, अध्यक्ष, तेलंगाना जूनियर्स वाटर पोलो टीम एवं स्विमिंग एसोसिएशन; जी. उमेश, महासचिव; टी. कृष्णमूर्ति, कोषाध्यक्ष; एल.एम. शंकर, प्रबंध निदेशक, 7सीज़ एंटरटेनमेंट लिमिटेड; टी. किरण कुमार, टीम मैनेजर; सैयद मुख्तार अहमद, वाटर पोलो कोच तथा ताला बाबू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जूनियर राष्ट्रीय वाटर पोलो टीम के लिए चयन परीक्षण गाचीबोवली स्टेडियम के स्विमिंग पूल में आयोजित 11वीं तेलंगाना जूनियर्स अंतर-जिला वाटर पोलो चैंपियनशिप के दौरान किए गए थे। इन्हीं परीक्षणों के आधार पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन किया गया।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों पी. चंद्रशेखर रेड्डी, जी. उमेश और टी. कृष्णमूर्ति ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि तेलंगाना के खिलाड़ी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करेंगे और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

चाइना मास्टर्सः किदांबी श्रीकांत ने विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व

नंबर-9 विक्टर लाई को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट के मुकाबले में कनाडा के लाई को 21-18, 21-19 से हराया। श्रीकांत ने एक घंटे से भी कम समय चले मुकाबले में संयमित और प्रभावी प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों गेमों में महत्वपूर्ण मौकों पर धैर्य बनाए रखा और दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। लाई हाल के दिनों में शानदार फार्म में थे। उन्होंने चाइना मास्टर्स के पहले दौर में भारत के लक्ष्य सेन को हराया था। इससे पहले लाई ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। इसके बावजूद श्रीकांत ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। श्रीकांत ने टूर्नामेंट की शुरुआत भी आत्मविश्वास के साथ की थी। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के विश्व नंबर-21 ची यू-जेन को महज 35 मिनट में 21-16, 21-15 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत का सामना हांगकांग चीन के ली च्युक यियू से होगा।

यूएस ओपनः गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने जेमी फारिया को हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क। गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने कलाई की चोट के कारण करीब पांच महीने तक बाहर रहने

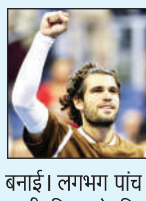

के बाद यूएस ओपन में अपनी वापसी को मजबूती दी है। स्पेन के अल्कराज ने बुधवार को पुर्तगाल के जेमी फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। लगभग पांच महीने बाद सोमवार को रोमन सफीउल्लिन के खिलाफ सीधे सेटों में जीत के साथ वापसी करने वाले अल्कराज को फारिया के खिलाफ पहले सेट में संघर्ष करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 72वें स्थान पर काबिज फारिया ने 4-3 की बढ़त के लिए अल्कराज की सर्विस तोड़ी और अपनी मजबूत सर्विस के दम पर पहला सेट 6-4 से जीत लिया। दूसरे सेट की शुरुआत में भी फारिया ने अल्कराज पर दबाव बनाया और दो बार ब्रेक का मौका हासिल किया। हालांकि, अल्कराज ने सही समय पर अपने खेल की गति बढ़ाई। उन्होंने आर्थर ऐश स्टेडियम में दर्शकों को शानदार ड्राप शाट और लाब के संयोजन से रोमांचित किया और दूसरा सेट 6-0 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। तीसरे सेट में सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज ने अपने शानदार शाट्स से फारिया को लगातार दबाव में रखा। 23 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने धीरे-धीरे मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। चौथे सेट में फारिया की सर्विस कमजोर पड़ने का अल्कराज ने पूरा फायदा उठाया और 6-2 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब तीसरे दौर में उनका सामना चीन के वू यीबिंग से होगा ।

यूएस ओपनः टियाफोए तीसरे दौर में, इग्नासियो बुसे ने जीत के साथ दादा की विरासत को आगे बढ़ाया

न्यूयार्क। अमेरिका के फ्रांसेस टियाफोए ने जापान के क्वालीफायर रेई सकामोटो को सीधे सेटों में हराकर

यूएस ओपन 2026 के तीसरे दौर में जगह बना ली। वहीं पेरू के इग्नासियो बुसे ने पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज कर इस ग्रैंड स्लैम में अपनी पहली जीत हासिल की और अपने दादा एडुआर्डो की विरासत को आगे बढ़ाया। दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी टियाफोए ने लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच सकामोटो को 6-3, 7-6(7-2), 7-5 से हराया। टियाफोए की नजर न्यूयार्क में 23 साल से चले आ रहे अमेरिकी पुरुष चैंपियन के इंतजार को खत्म करने पर है। 28 वर्षीय टियाफोए ने मैच के पहले ही गेम में सकामोटो की सर्विस तोड़ी और पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में वह जीत की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन लगातार दो डबल फाल्ट ने सकामोटो को वापसी का मौका दे दिया। जापानी खिलाड़ी ने सेट को टाईब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन दो बार यूएस ओपन सेमीफाइनल खेल चुके टियाफोए ने टाईब्रेक में शुरुआती पांच में से चार अंक जीतकर दो सेट की बढ़त बना ली। सकामोटो ने मुकाबले में 18 ऐस लगाए, लेकिन 40 अनफोर्स्ड एरर भी किए। टियाफोए ने पहले दौर में पांच सेट तक चले मुकाबले के बाद इस बार सीधे सेटों में जीत दर्ज कर राहत की सांस ली। तीसरे दौर में उनका सामना कामिल माजच्राक या वैलेन्तिन वाशेरो से होगा। बुसे ने दादा की विरासत को आगे बढ़ाया पेरू के 32वीं वरीयता प्राप्त इग्नासियो बुसे ने भी अमेरिकी खिलाड़ी मार्कोस गिरोन को 3-6, 6-3, 6-3, 6-7(6-8), 6-1 से हराकर यूएस ओपन में अपनी पहली जीत दर्ज की। कोर्ट नंबर छह पर तीन घंटे 48 मिनट चले मुकाबले में जीत के साथ बुसे ने अपने परिवार के ग्रैंड स्लैम इतिहास में नया अध्याय जोड़ा। 22 वर्षीय बुसे ने पांचवें सेट में मानसिक मजबूती दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

गोलकोंडा मास्टर्स में स्थानीय युवा विशेष शर्मा की चार शॉट की मजबूत बढ़त

तीसरे दौर में छह अंडर 64 का स्कोर, 20 अंडर 190 के साथ शीर्ष पर; अमरदीप मलिक दूसरे स्थान पर

हैदराबाद । स्थानीय दावेदार 19 वर्षीय विशेष शर्मा ने हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाले तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स के तीसरे दौर में छह अंडर 64 का शानदार स्कोर बनाकर चार शॉट की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। दिन की शुरुआत संयुक्त बढ़त से करने वाले विशेष ने सात बर्डी और एक बोगी के साथ अपना कुल स्कोर 20 अंडर 190 कर लिया। अपने घरेलू कोर्स पर खेल रहे विशेष ने पहले दौर में कोर्स रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए 10 अंडर 60 का स्कोर बनाया था। इसके बाद उन्होंने 66 और 64 के राउंड खेलकर अंतिम दौर से पहले बड़ी बढ़त कायम कर ली। विशेष तीनों राउंड के बाद कम से कम संयुक्त बढ़त पर रहे हैं।

पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया पर दो बार के विजेता अमरदीप मलिक 16 अंडर 194 के कुल स्कोर के साथ विशेष के निकटतम प्रतिद्वंद्वी बने हुए हैं। नोएडा के 41 वर्षीय मलिक ने तीन बर्डी और पार-3 नौवें होल पर एक बोगी के साथ दो अंडर 68 का स्कोर बनाया।

दिल्ली के हनी बैसोया 14 अंडर 196 के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने चार बर्डी और दो बोगी के साथ दो अंडर 68 का स्कोर बनाया। वहीं, गुरुग्राम के ध्रुव श्योराण 13 अंडर 197 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने तीसरे

दौर में इवन-पार 70 का स्कोर बनाया और विशेष से सात शॉट पीछे हैं। विशेष ने कहा कि घरेलू मैदान पर खेलने से उन्हें कोर्स की जानकारी से अधिक भावनात्मक और मानसिक मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि वह इस टूर्नामेंट को अपने नियमित राउंड की तरह लेने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे बढ़त के दबाव के बावजूद सहज बने रहने में मदद मिल रही है।

तीसरे दौर में विशेष ने कई महत्वपूर्ण मौकों पर पार बचाकर अपना राउंड संभाला। आठवें होल पर गेंद फ्रिंज और रफ के बीच मुश्किल स्थिति में रुकने के बावजूद उन्होंने करीब 12 फुट की दूरी से अहम पार बचाया। 12वें होल की बर्डी ने भी उनकी लय वापस पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 13वें होल पर दिन की एकमात्र बोगी के बावजूद उन्होंने संयम बनाए रखा और अपनी बढ़त को मजबूत किया।विशेष ने कहा कि तेज ग्रीन पर पटिंग करना उन्हें पसंद है और इस बार ग्रीन शानदार स्थिति में थे।

मौजूदा पेशेवर गोल्फ टूर रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे सप्तक तलवार ने दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। उन्होंने नौ अंडर 61 का शानदार राउंड खेलकर संयुक्त 17वें स्थान से छलांग लगाते हुए 12 अंडर 198 के स्कोर के साथ पांचवां स्थान हासिल कर लिया। उनके राउंड में पार-5 पांचवें होल पर एक ईगल, आठ बर्डी और एक बोगी शामिल रही।

तलवार ने अपने अंतिम तीन होल में से दो पर बर्डी बनाकर शानदार समापन किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह संघर्षपूर्ण रहे, लेकिन तीसरे दौर में सहज समूह और सकारात्मक माहौल ने उन्हें लय हासिल करने में मदद की।

तलवार 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक जापान में होने वाले एशियाई खेलों में 2024 के पेशेवर गोल्फ टूर रैंकिंग चैंपियन वीर अहलावत के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पंचकूला के 15 वर्षीय अर्जुनवीर शिशिर ने बोगी रहित 67 का स्कोर बनाकर कुल आठ अंडर 202 के साथ संयुक्त 11वां स्थान हासिल किया। वह पेशेवर गोल्फ टूर पर कट हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

गत चैंपियन बांग्लादेश के जमाल हुसैन तीसरे दौर में इवन-पार 72 के बाद 210 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 41वें स्थान पर खिसक गए।

तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स का परिणाम सत्र के अंतिम टूर्नामेंट पेशेवर गोल्फ टूर इंडिया चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने वाले शीर्ष 24 खिलाड़ियों की तस्वीर तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसी दौड़ के जरिए पेशेवर गोल्फ टूर के नंबर एक खिलाड़ी का भी फैसला होगा। प्रतियोगिता को तेलंगाना पर्यटन, हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन, द वेस्टिन हैदराबाद माइंडस्पेस और द क्यू गोल्फ स्टूडियो बाय प्लेरूट गोल्फ सहित विभिन्न साझेदारों का सहयोग प्राप्त है। वैश्विक लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड पेशेवर गोल्फ टूर इंडिया की शीर्षक साझेदार और आधिकारिक अंब्रेला साझेदार है।

पेशेवर गोल्फ टूर इंडिया भारत में पुरुषों के पेशेवर गोल्फ की आधिकारिक संस्था है। यह अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ तथा अंतरराष्ट्रीय पीजीए टूर महासंघ की मान्यता प्राप्त सदस्य है। इसकी यूरोपीय पेशेवर गोल्फ टूर के साथ रणनीतिक साझेदारी है और इसकी प्रतियोगिताओं में आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग के अंक दिए जाते हैं।

चाइना मास्टर्स में तन्वी शर्मा का अभियान समाप्त, अंतिम 16 में मियाजाकी से मिली हार

शेनझेन

भारतीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर अंतिम-16 में समाप्त हो गया। तन्वी को जापान की विश्व नंबर-9 तोमोक मियाजाकी के खिलाफ 66 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआती दौर में डेनमार्क की अमाली शुल्ज को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई थी। वहीं, मियाजाकी ने पहले दौर में अपनी हमवतन हिना अकेची को 19-21, 21-17, 21-19 से हराया था। तन्वी और मियाजाकी के बीच यह दूसरी भिड़ंत थी। इससे पहले इस साल इंडोनेशिया मास्टर्स में भी दोनों का आमना-सामना हुआ था, जहां मियाजाकी ने 21-18, 18-21, 21-16 से जीत दर्ज की थी। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। तन्वी और मियाजाकी लगातार अंक हासिल करती रहीं, लेकिन जापानी खिलाड़ी ने अंत में बढ़त बनाते हुए पहला गेम 21-17 से अपने नाम किया।

तन्वी ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की और 8-2 की बढ़त बना ली। मियाजाकी ने वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर किया, लेकिन तन्वी ने दबाव में संयम बनाए रखा। उन्होंने ब्रेक तक 11-10 की बढ़त हासिल की और फिर 18-14 की बढ़त बनाकर गेम 21-18 से जीत लिया।

निर्णायक गेम में भी मुकाबला बराबरी का रहा। स्कोर 6-6 से बराबर होने के बाद तन्वी ने 8-7 और फिर 10-8 की बढ़त बनाई। ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी 11-9 से आगे थीं।

हालांकि, ब्रेक के बाद मियाजाकी ने लगातार दबाव बनाया और 11-11 से बराबरी कर ली। इसके बाद जापानी खिलाड़ी ने मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया और निर्णायक गेम 21-16 से जीतकर तन्वी का अभियान समाप्त कर दिया। ब्रेक के बाद तन्वी केवल पांच अंक ही हासिल कर सकीं।

नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने जीता महिला दिल्ली प्रीमियर लीग का खिताब

नई दिल्ली। नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए फाइनल में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को छह विकेट से हराकर महिला दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 का खिताब जीत लिया है। 123 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने 19 ओवर में चार विकेट पर 128 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 122 रन बनाए। कप्तान श्वेता सहरावत ने 32 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 31 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर निशिका सिंह 30 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाकर नाबाद रहीं। नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए साउथ दिल्ली की बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। प्रिया मिश्रा, नाजमा, अर्चना, रेशिका बेनीवाल और अपेक्षा आनंद ने एक-एक विकेट लिया। अपेक्षा आनंद ने विशेष रूप से किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 13 रन दिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को उपासना यादव ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने आठ गेंदों पर नौ रन बनाए, जिसमें दो चौके शामिल थे।

इंडोनेशिया मास्टर्स : प्रणय बाहर, अशिमता चालिहा ने अंतिम-8 में बनाई जगह

जकार्ता

भारत के अनुभवी शटलर एच.एस. प्रणय को इंडोनेशिया मास्टर्स में हार का सामना करना पड़ा। पुरुष एकल के अंतिम-16 के मुकाबले में शीर्ष वरीय प्रणय को चीन के शुआन चेन झू ने 22-20, 21-15 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। झू ने जब भी दो या तीन अंकों की बढ़त बनाई, प्रन्नाय ने वापसी करते हुए अंतर कम किया। 16-18 से पिछड़ने के बाद प्रणय ने लगातार तीन अंक लेकर 19-18 की बढ़त बना ली, लेकिन झू ने स्कोर 19-19 कर दिया। इसके बाद दोनों 20-20 की बराबरी पर पहुंचे, लेकिन चीनी खिलाड़ी ने लगातार दो अंक लेकर पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में झू ने शुरू से ही नियंत्रण बनाए रखा और प्रणय को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने दूसरा गेम 21-15 से जीतकर 45 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रणय ने इससे पहले अंतिम-32 के मुकाबले में चीनी ताइपे के लियाओ झुओ-फू को एक गेम से पिछड़ने के बाद 18-21, 21-15, 21-19 से हराया था। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर काबिज प्रणय ने एक घंटे चार मिनट चले मुकाबले में जीत दर्ज कर अंतिम-16 में जगह बनाई थी।

प्रणय को शुरुआती दौर में बाई मिली थी। वह जुलाई के अंत में ताइपे ओपन में खेलने के बाद कोर्ट पर लौटे थे, जहां वह अंतिम-16 में बाहर हो गए थे। उन्हें नई दिल्ली में हुए विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी।

अशिमता चालिहा अंतिम-8 में

महिला एकल में शीर्ष वरीय भारत की अशिमता चालिहा ने शानदार वापसी करते हुए मलेशिया की गोह जिन वेई को 10-21, 21-10, 21-17 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया।

अशिमता ने पिछले महीने ही कोरिया मास्टर्स सुपर 300 में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता था। उन्होंने फाइनल में चीन की चौथी वरीय हान चियान शी को कड़े मुकाबले में हराकर खिताब अपने नाम किया था। विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज अशिमता गुवाहाटी स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में पार्क ताए-सांग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेती हैं।

एशियाई खेल 2026 : खेल मंत्रालय ने 503 खिलाड़ियों के लिए 246 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ को दी मंजूरी

नई दिल्ली

खेल मंत्रालय ने जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय दल के 246 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ को मंजूरी दे दी है। भारत के 503 खिलाड़ी 36 खेलों में हिस्सा लेंगे। एथलेटिक्स और क्रिकेट को सबसे बड़ा सहयोगी स्टाफ दिया गया है।

मंत्रालय ने पहले 35 खेलों में 492 खिलाड़ियों के दल को मंजूरी दी थी, लेकिन बाद में खासकर एथलेटिक्स में कुछ नाम जोड़े गए। एथलेटिक्स दल की संख्या 73 से बढ़कर 79 हो गई है। चार सर्फर को भी मंजूरी मिलने के बाद भारत की भागीदारी 36 खेलों में हो गई है।

अब भारतीय दल की कुल संख्या 768 हो गई है। इसमें 503 खिलाड़ी, 246 सहयोगी स्टाफ और 19 दल अधिकारी शामिल हैं। दल अधिकारियों में मिशन प्रमुख सहदेव यादव और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. दिनशा पार्डीवाला भी शामिल हैं।

एथलेटिक्स को सबसे बड़ा सहयोगी स्टाफ

चोटिल भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा की गैरमौजूदगी में एथलेटिक्स दल को सबसे बड़ा 31 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ मिला है। इसमें राष्ट्रीय कोच पी. राधाकृष्णन के नेतृत्व में 20 कोच शामिल हैं। नीरज चोपड़ा के कोच जय चौधरी और फिजियो ईशान मरवाहा को भी सहयोगी स्टाफ में जगह मिली है। रिलायंस फाउंडेशन के एथलेटिक्स निदेशक और मुख्य कोच जेम्स हिलियर भी दल का हिस्सा हैं। वह धावक गुरिंदरवीर सिंह के साथ काम करते हैं।

क्रिकेट और हाकी को भी मिला मजबूत स्टाफ

पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों को लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ 20 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ दिया गया है। पुरुष टीम के साथ वीवीएस लक्ष्मण और महिला टीम के साथ अमोल मजूमदार जिम्मेदारी संभालेंगे। क्रिकेट संचालन अधिकारी मारूफ फजांदार को टीम लीडर बनाया गया है।

40 सदस्यीय हाकी दल, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें शामिल हैं, के लिए 14 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ को मंजूरी मिली है। इसमें छह कोच और तीन फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के नेतृत्व वाले निशानेबाजी दल के साथ 17 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ रहेगा। इसमें 11 कोच शामिल हैं। हाई परफार्मेंस निदेशक पियरे ब्यूशांप, ट्रैप कोच पीटर विल्सन और पिस्टल कोच समरेश जंग भी दल में हैं।

भारोत्तोलन, मुक्केबाजी और बैडमिंटन

मीराबाई चानू के नेतृत्व वाले भारोत्तोलन दल के साथ राष्ट्रीय कोच विजय कुमार रहेंगे। 11 सदस्यीय मुक्केबाजी दल के साथ आठ सदस्यीय सहयोगी स्टाफ होगा, जिसमें महिला हाई परफार्मेंस निदेशक सैंटियागो नीवा और पुरुष मुख्य कोच सी.ए. कुट्टप्पा शामिल हैं।

20 सदस्यीय बैडमिंटन दल में राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के अलावा इंडोनेशिया के इरवांशाह और मलेशिया के तन किम हर जैसे विदेशी कोच भी शामिल हैं।

टेबल टेनिस के कोचिंग दल में सौम्यदीप राय का नाम भी शामिल है। उन्हें टोक्यो ओलंपिक के बाद शीर्ष खिलाड़ी मनिका बत्रा द्वारा लगाए गए मैच फिक्सिंग के आरोपों के बाद पद से हटा दिया गया था।

शिखरबंध जिनालय में प्रतिष्ठित होने वाली प्रतिमाओं का अंजनशलाका महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आहोर निवासी श्रेष्ठीवर्य श्री विमलचंदजी घेवरचंदजी बाफना मुथा परिवार द्वारा हैदराबाद में निर्मित किए जा रहे शिखरबंध जिनालय में प्रतिष्ठित होने वाले श्री मुनिसुव्रतस्वामीजी आदि जिनबिम्बों तथा गुरु गौतमस्वामीजी, दादा गुरुदेव राजेन्द्रसूरिजी आदि प्रतिमाओं की अंजनशलाका विधि-विधान एवं धार्मिक परंपराओं के अनुसार सम्पन्न हुई।

श्री शंखेश्वर महातीर्थ में भाद्रपद वद 7, गुरुवार, 3 सितंबर 2026 को रात्रि की शुभ बेला में आयोजित इस अंजनशलाका महोत्सव में सौधर्मबृहत्तपागच्छाधिपति आचार्य श्री जयानन्दसूरीश्वरजी, आचार्य श्री दिव्यानन्दसूरीश्वरजी आदि 15 साधु-साध्वियों की पावन निश्रा रही।

अंजनशलाका की धार्मिक विधियों को सम्पन्न कराने के लिए श्री सत्यविजयजी हरण चेन्नई से अपने साथियों के साथ विशेष रूप से पधारे। उनकी देखरेख में अंजनशलाका की समस्त विधियां परंपरागत रीति-रिवाज एवं मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न हुईं।

महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं भक्ति के साथ सहभागिता की। जिनबिम्बों एवं प्रतिमाओं की अंजनशलाका सम्पन्न होने से जिनालय की आगामी प्रतिष्ठा से जुड़े धार्मिक आयोजन को महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है।

सीरवी समाज अलमासगुड़ा मंदिर की नई कार्यकारिणी का सम्मान

पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का माला-साफा पहनाकर किया स्वागत

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। करमनघाट0तुर्कायमजाल स्थित गेहलोत निवास पर सीरवी समाज अलमासगुड़ा मंदिर (बडेर) की नवगठित कार्यकारिणी का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का माला व साफा पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

समारोह में उपाध्यक्ष-2 पोकरराम गेहलोत, नेमाराम काग, रामलाल सोनपुरा, नाथुराम सोलंकी, महेंद्र हाम्बड़ एवं मीडिया प्रभारी रमेश भायल का माला व साफा पहनाकर सम्मान किया गया। उपस्थित समाजबंधुओं ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

समाज की एकता और संगठन की मजबूती पर जोर

सम्मान समारोह के दौरान समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा सामाजिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई।

उपस्थित सदस्यों ने समाजहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर गेहलोत परिवार की ओर से विनोद, वेनाराम, नेमीचंद, जीवनराम, चेनाराम, चुन्नीलाल, नारायणलाल, वेनाराम, ताराराम, रूपाराम गेहलोत, बगदाराम, बंसीलाल एवं रामकरण सहित परिवारजनों ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कृष्ण जन्माष्टमी : उत्सव से आगे, जीवन में उतरे श्रीकृष्ण का संदेश

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भारतीय संस्कृति का ऐसा पावन पर्व है, जिसमें आस्था, प्रेम, धर्म, कर्म और मानवता का अद्भुत संगम दिखाई देता है। यह केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उस दिव्य चेतना के प्राकट्य का पर्व है, जो मनुष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर और अधर्म से धर्म की ओर चलने की प्रेरणा देती है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म ऐसे समय हुआ, जब अत्याचार बढ़ रहा था, सत्ता का अहंकार मानवता पर भारी पड़ रहा था और समाज भय के वातावरण में जी रहा था। ऐसे कठिन समय में कृष्ण का अवतरण इस विश्वास का प्रतीक बना कि अन्याय कितना भी शक्तिशाली क्यों न दिखाई दे, सत्य और धर्म की शक्ति अंततः उससे बड़ी होती है।

आज हजारों वर्षों बाद भी श्रीकृष्ण का संदेश उतना ही प्रासंगिक है। समय बदला है, परिस्थितियां बदली हैं, जीवन की सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन मनुष्य के सामने खड़ी अनेक चुनौतियां आज भी वही हैं। स्वार्थ, अहंकार, असंवेदनशीलता, आपसी दूरियां और अन्याय आज भी समाज को भीतर से कमजोर करते हैं। ऐसे समय में जन्माष्टमी हमें केवल उत्सव मनाने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं से सवाल करने के लिए प्रेरित करती है कि जिस कृष्ण की हम पूजा करते हैं, क्या उनके विचार हमारे जीवन में भी दिखाई देते हैं?

हम कृष्ण को कभी नटखट बालक के रूप में देखते हैं, कभी मुरलीधर के रूप में, कभी सच्चे मित्र के रूप में और कभी कुरुक्षेत्र में अर्जुन के सारथी के रूप में। उनके जीवन का प्रत्येक रूप मनुष्य को एक नई सीख देता है। बाल कृष्ण जीवन में आनंद और सरलता का संदेश देते हैं, मुरलीधर प्रेम और मधुरता का, सखा कृष्ण सच्ची मित्रता का और गीता के उपदेशक कृष्ण कर्तव्य, कर्म और धर्म का मार्ग दिखाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने हमें सिखाया कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, मनुष्य को अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटना चाहिए और सत्य के मार्ग को छोड़ना नहीं चाहिए।

– सुनीता अग्रवाल, राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद

पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में दो जटिल उपचार सफल

पेद्दापल्ली, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के तहत दो महत्वपूर्ण उपचार सफलतापूर्वक किए गए। अस्पताल में पांच मरीजों की धुंधली दृष्टि की समस्या का वाईएजी कैप्सुलोटॉमी लेजर उपचार किया गया, वहीं जिले में पहली बार 67 वर्षीय महिला का जटिल दाहिना पूर्ण घुटना प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया गया।

पांचों मरीजों की पहले मोतियाबिंद की सर्जरी हो चुकी थी, लेकिन बाद में आंख के लेंस के पिछले हिस्से में धुंधलापन आने से उनकी दृष्टि प्रभावित हो गई थी। नेत्र विशेषज्ञ शैलजा और अरुण ने जांच के बाद वाईएजी कैप्सुलोटॉमी लेजर प्रक्रिया के माध्यम से उपचार किया, जिससे मरीजों की दृष्टि में सुधार हुआ।

इसी प्रकार 67 वर्षीय महिला पिछले एक वर्ष से ग्रेड-4 ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित थीं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद आवश्यक जांच के बाद चिकित्सकों ने उनका पूर्ण घुटना प्रत्यारोपण किया। सर्जरी में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. कुमार गौड़, डॉ. मेघना, डॉ. विनय कुमार तथा निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. चंद्रशेखर और डॉ. रामम शामिल रहे।

जिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर ने दोनों उपचारों में शामिल चिकित्सा दल, नर्सिंग एवं ऑपरेशन थिएटर स्टाफ को बधाई दी।

उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में दूरबीन विधि, मूत्र रोग, विभिन्न लेजर उपचार, फिस्टुला और अन्य जटिल सर्जरी भी सफलतापूर्वक की जा रही हैं। उन्होंने जिले के लोगों से अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

आर्य कन्या विद्यालय में विद्यार्थियों को खेलकूद पोशाक एवं जूतों का वितरण

श्रुति सक्सेना एवं किरण सक्सेना के सहयोग से विद्यार्थियों को मिला प्रोत्साहन

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, देवीदीन बाग, कंदास्वामी लेन, सुलतान बाजार में विद्यार्थियों के लिए खेलकूद पोशाक एवं जूतों के वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रसिद्ध समाजसेवी एवं कर सलाहकार लक्ष्मी रमन सक्सेना की सुपुत्री श्रुति सक्सेना एवं धर्मपत्नी किरण सक्सेना द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों को खेलकूद पोशाक तथा जूते वितरित किए गए। सामग्री प्राप्त कर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस सहयोग से विद्यार्थियों को खेलकूद गतिविधियों में अधिक उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

कार्यक्रम में आर्य कन्या विद्यालय शिक्षण समिति के मंत्री प्रदीप जाजू, कोषाध्यक्ष भक्त राम, मुख्य अध्यापिका उमा तिवारी, चित्रा मालिनी, अनुराधा सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अध्यापिका उमा तिवारी एवं आर्य कन्या विद्यालय शिक्षण समिति की ओर से श्रुति सक्सेना और किरण सक्सेना के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

समिति ने उनके सामाजिक एवं शैक्षणिक सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सक्षम लोगों द्वारा विद्यार्थियों के हित में किए गए ऐसे प्रयास शिक्षा के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

कृष्ण को मंदिर में नहीं, अपने कर्मों में खोजें

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का ऐसा पर्व है, जो हजारों वर्षों बाद भी मानव जीवन को नई दिशा देने की क्षमता रखता है। यह केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उस दिव्य चेतना के प्राकट्य का पर्व है, जो अन्याय के सामने खड़े होने, सत्य का साथ देने, प्रेम बांटने और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की राजकुमारी अग्रवाल के अनुसार, आज जन्माष्टमी के वास्तविक संदेश को समझने की आवश्यकता है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें बताता है कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। धर्म हमारे आचरण में दिखाई देना चाहिए, हमारे व्यवहार में दिखाई देना चाहिए और सबसे अधिक हमारी सेवा भावना में दिखाई देना चाहिए।

श्रीकृष्ण का जन्म उस समय हुआ जब अत्याचार और अधर्म का बोलबाला था।

कंस के आतंक से मथुरा की जनता भयभीत थी। ऐसे समय में श्रीकृष्ण का अवतार यह संदेश लेकर आया कि अन्याय चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, वह हमेशा के लिए नहीं रह सकता।

आज के समाज में भी हमें इस संदेश को समझने की आवश्यकता है। अन्याय के सामने मौन रहना भी कहीं न कहीं उसे बढ़ावा देना है। श्रीकृष्ण हमें सिखाते हैं कि जहां सत्य और धर्म की रक्षा का प्रश्न हो, वहां साहस के साथ अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

हमारे भीतर का कंस कौन है?

जन्माष्टमी के अवसर पर सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि श्रीकृष्ण का जन्म कब हुआ था, बल्कि यह होना चाहिए कि हमारे भीतर श्रीकृष्ण कब जन्म लेंगे?

हमारे भीतर का क्रोध कंस है।
अहंकार कंस है।
लोभ कंस है।
ईर्ष्या कंस है।
स्वार्थ कंस है।
दूसरों के दुख के प्रति संवेदनहीनता भी कंस है।

-राजकुमारी अग्रवाल
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद

जन सेवा संघ की मेड़चल-पेटबशीराबाद क्षेत्रीय बैठक संपन्न

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव श्री प्रकाश चौधरी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मेड़चल एवं पेटबशीराबाद क्षेत्रीय बैठक संघ के उपाध्यक्ष श्री एस.ए. खान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। प्रोटोकॉल समिति के संयोजक श्री श्रीकांत पांडेय के मार्गदर्शन तथा मेड़चल क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री दिनेश रजक और पेटबशीराबाद क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री भोला सिंह की देखरेख में बैठक संपन्न हुई।बैठक के दौरान 30 लोगों ने जन सेवा संघ की सदस्यता ग्रहण की। साथ ही प्रत्येक माह अधिक से अधिक नए सदस्यों को संगठन से जोड़ने तथा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर क्षेत्रीय समिति के श्री कपिराज सिंह, श्री रामध्यन सिंह, सशिराज सिंह, करीम भाई, मन्नू यादव, आनंद दुबे, संजय, प्रफुल्ल पांडेय सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कोंडा सुरेखा...

उन्होंने सवाल उठाया कि टी. जयप्रकाश 'जग्गा' रेड्डी और कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी की पार्टी नेतृत्व को लेकर कथित टिप्पणियों के बावजूद उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कोई गलती नहीं की है और उन्हें अपने किसी कदम पर पछतावा नहीं है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आत्मचिंतन करने की सलाह दी।

सुरेखा ने कहा कि उन्होंने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के रूप में रेवंत रेड्डी का पुरजोर समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि उनकी राजनीतिक भूमिका के कारण पिछड़े वर्ग की तीन महिलाओं को महत्वपूर्ण पद हासिल करने में मदद मिली।

उन्होंने योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष जी. चिन्ना रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने का भी विरोध किया और कहा कि पूरे घटनाक्रम पर व्यापक राजनीतिक दृष्टि से विचार किया जाना चाहिए।

नीट दोबारा...

सुनवाई के दौरान वकील ने जयपुर में करीब 2,500 अभ्यर्थियों की परीक्षा पूरी नहीं हो पाने का मुद्दा उठाया। इसके बाद राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड ने प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा कराने की घोषणा की थी। यह परीक्षा 5 सितंबर को प्रस्तावित है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि देशभर में 1,111 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। बिजली संबंधी समस्या के कारण परीक्षा में व्यवधान केवल जयपुर के दो केंद्रों तक सीमित रहा।

उन्होंने यह भी बताया कि मौजूदा याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता नोएडा और पंजाब से हैं और वे इस व्यवधान से प्रभावित नहीं हुए थे। बोर्ड की ओर से यह आरोप भी लगाया गया कि संबंधित वकील ने सोशल मीडिया पर अभ्यर्थियों से टिप्पणियां और मामले की जानकारी मांगी थी।

'क्या याचिकाकर्ताओं ने परीक्षा दी थी?'

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने पूछा कि जनहित याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता स्वयं परीक्षा देना चाहते हैं या नहीं। वकील ने बताया कि वे परीक्षा नहीं देना चाहते।

इस पर पीठ ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि केवल कुछ और मामले हासिल करने के लिए सोशल मीडिया पर मामले तलाशना उचित नहीं है। पीठ ने सवाल किया कि इतने सारे छात्र फोन करके जानकारी दे रहे हैं तो इससे वकील को क्या फर्क पड़ता है और क्या उन्हें इस बात का एहसास है कि ऐसी याचिकाओं से देश को कितना नुकसान हो सकता है।

अंततः सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी-2026 की दोबारा परीक्षा कराने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी और याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपये की लागत लगा दी।

जीडीपी...

वाहन बिक्री और निर्यात में भी तेजी

नीलकंठ मिश्रा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति समझने के लिए केवल जीडीपी के आंकड़े को देखना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने अगस्त के विभिन्न आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि कार और एसयूवी की बिक्री में करीब 35 प्रतिशत, दोपहिया वाहनों की बिक्री में 20 प्रतिशत से अधिक तथा निर्यात में करीब 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में करीब 40 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। उनके अनुसार, ये आंकड़े कारोबार और निर्माण गतिविधियों में मजबूती के संकेत हैं।

कर्ज और निवेश में भी सुधार का दावा

मिश्रा ने कहा कि बैंकों द्वारा दिए जाने वाले कर्ज की वृद्धि भी उम्मीद से बेहतर रही है। पहले कर्ज की धीमी रफ्तार की एक बड़ी वजह बैंकों की ओर से ऋण देने में कमजोरी थी, लेकिन अब इसमें सुधार दिखाई दे रहा है। कर संग्रह और निर्माण क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि देश में निवेश की गतिविधियां भी जारी हैं। निर्माण क्षेत्र के विभिन्न संकेतक मजबूत हैं। उनके अनुसार, निजी क्षेत्र के निवेश में कमजोरी की बात करने वालों के लिए देश में निवेश के स्पष्ट प्रमाण मौजूद हैं।

आम आदमी की आय अब भी चुनौती

हालांकि, नीलकंठ मिश्रा ने माना कि अर्थव्यवस्था में अभी कुछ कमियां मौजूद हैं और वह अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रही है। उन्होंने वास्तविक वेतन यानी महंगाई को हटाने के बाद बचने वाली आय में धीमी वृद्धि को इसका एक संकेत बताया।

उनके मुताबिक, इस स्थिति में पूरी तरह सुधार आने में कुछ तिमाहियां लग सकती हैं। उन्होंने कहा कि इन कमियों को दूर करने और श्रम बाजार को मजबूत करने के लिए देश को लगातार कई तिमाहियों तक औसत से अधिक आर्थिक विकास दर बनाए रखनी होगी। इससे बाजार में मजबूती आएगी और भविष्य में महंगाई के दबाव को नियंत्रित रखने में मदद मिलेगी।

7.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है विकास दर

भविष्य की अर्थव्यवस्था को लेकर मिश्रा ने सकारात्मक रुख जताया। उनका कहना है कि देश पर बजट का दबाव कम हो रहा है और मौद्रिक नीतियां भी अर्थव्यवस्था के अनुकूल बन रही हैं। इसका असर आर्थिक विकास दर पर दिखाई दे रहा है।

उनके अनुसार, आने वाले समय में भारत की औसत आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत से ऊपर रह सकती है। यहां तक कि यदि सरकार की बजट और मौद्रिक नीतियां सामान्य यानी तटस्थ भी रहती हैं, तब भी भारतीय अर्थव्यवस्था करीब 7.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल कर सकती है। हालांकि, उन्होंने आने वाले समय में महंगाई का दबाव फिर बढ़ने की आशंका भी जताई।

एफसीआरए बिल...

विधेयक-2026 को 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया था। 12 अगस्त को दोनों सदनों ने विधेयक को विस्तृत जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की मंजूरी दी थी। विधेयक का उद्देश्य विदेशी अंशदान के उपयोग को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है।

एफसीआरए विधेयक में क्या बदलेगा?

1. संस्था को उद्देश्य और कार्यक्षेत्र बताना होगा

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत विदेशी धन का इस्तेमाल किस विशेष उद्देश्य के लिए और किस राज्य या केंद्रशासित प्रदेश में किया जाएगा, इसकी जानकारी पंजीकरण प्रमाणपत्र में दर्ज करनी होगी। हालांकि, इससे संबंधित संशोधित नियम 22 जून 2026 को अधिसूचित होकर लागू हो चुके हैं।

2. विदेशी धन के दुरुपयोग पर रोक

विधेयक का उद्देश्य विदेशी अंशदान के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है। सरकार ने विशेष रूप से विदेशी धन के जरिए जबरन धर्म परिवर्तन जैसी गतिविधियों पर रोक की बात कही है।

3. पंजीकरण समाप्त होने पर संपत्तियों की व्यवस्था

यदि किसी संस्था का विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम के तहत पंजीकरण रद्द हो जाता है, संस्था पंजीकरण वापस कर देती है या उसका नवीनीकरण नहीं होता, तो विदेशी अंशदान से बनी संपत्तियां प्रस्तावित व्यवस्था के तहत नामित प्राधिकरण के नियंत्रण में आ सकती हैं। पहले यह नियंत्रण अस्थायी होगा और निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल होने पर संपत्तियां तथा अप्रयुक्त धन वापस किया जा सकेगा।

संयुक्त संसदीय समिति क्या करती है?

संयुक्त संसदीय समिति संसद की अस्थायी समिति होती है, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्य शामिल होते हैं। इसका गठन किसी विधेयक या महत्वपूर्ण सार्वजनिक विषय की विस्तृत जांच और विभिन्न पक्षों से विचार-विमर्श के लिए किया जाता है। समिति अपनी रिपोर्ट संसद को सौंपती है, जिसके आधार पर आगे की विधायी प्रक्रिया आगे बढ़ती है।

यूएस पलटवार...

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 1 सितंबर को ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के ठिकानों पर हवाई हमले किए। निशाने पर वायु रक्षा केंद्र, रडार प्रणाली, समुद्री सैन्य संपत्तियां, बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमताएं और संचार ठिकाने रहे।

अमेरिकी हमलों में बंदर अब्बास, सिरीक, चाबहार, कोनारक, जास्क, केशम द्वीप और खुजेस्तान सहित ईरान के दक्षिणी तटीय क्षेत्रों में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाए जाने की जानकारी सामने आई है। ईरान के अनुसार, इन हमलों में करीब 18 लोगों की मौत हुई, जिनमें एक शादी समारोह में शामिल लोग भी थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी मृतकों की संख्या की पुष्टि की है। इसके जवाब में ईरान ने जॉर्डन, कुवैत, बहरीन और इराक में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। ट्रंप ने इसे बहुत भारी हमला बताते हुए आगे की कार्रवाई की चेतावनी दी।

ताजा हमले में कुवैत को बनाया निशाना

अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने गुरुवार तड़के कुवैत को भी निशाना बनाया। कुवैत के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, देश में सायरन बजने लगे और वायु रक्षा प्रणाली ने ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों और ड्रोन को रोक दिया। मंत्रालय ने इसे ईरान की खुली आक्रामकता बताया। इस बीच, अमेरिका के सहयोगी बहरीन और जॉर्डन ने भी कहा है कि उनके वायु रक्षा तंत्र ने बुधवार को ईरान की ओर से किए गए कई हवाई हमलों को नाकाम किया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 04 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

‘प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा’ से 200 जरूरतमंद परिवारों को मासिक राशन वितरित

अग्रवाल समाज तेलंगाना की पहल ‘किसी का पेट भरे, यही सच्ची सेवा है’ के संकल्प को आगे बढ़ाया

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के ‘प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा’ के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर 200 परिवारों को मासिक राशन एवं आवश्यक घरेलू सामग्री वितरित की गई। राघव रत्ना टावर्स, चिराग अली लेन स्थित अग्रवाल समाज सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों को राशन किट प्रदान किए गए।अग्रकुल प्रवर्तक महाराजा श्री अग्रसेनजी के ‘मानव सेवा माधव सेवा’ के सिद्धांत को साकार करते हुए समाज ने ‘प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा’ की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अग्रवाल समाज का कोई भी अग्रबंधु भोजन के अभाव में भूखा न रहे।

अग्रवाल समाज के मीडिया, प्रचार एवं प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि योजना के लिए ऐसे 200 परिवारों का चयन किया गया है, जिन्हें नियमित खाद्य सामग्री की आवश्यकता है। सभी लाभार्थियों को व्यक्तिगत रूप से फोन पर सूचना दी गई और निर्धारित समय पर अग्रवाल समाज सभागृह में बुलाकर राशन किट वितरित किए गए।

राशन किट को केवल अनाज तक सीमित न रखते हुए परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया। इसमें 5 किलो आटा, 5 किलो चावल, तूर दाल, मूंग दाल, चना दाल, मूंगफली, काला चना, पोहा, उपमा रवा, घी, तेल, पापड़, चीनी, नमक, राई, साबुत उड़द, मैदा, गुड़, चायपत्ती, बिस्किट, मुरमुरा एवं सर्फ शामिल हैं। इसके अलावा टूथब्रश, टूथपेस्ट, साबुन, शैम्पू, हेयर ऑयल, विम बार और अगरबत्ती जैसी उपयोगी वस्तुएं भी किट में रखी गईं।

छह महीनों में सेवा गतिविधियों का विस्तार

समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं उनकी टीम के नेतृत्व में पिछले छह महीनों में सेवा गतिविधियों का व्यापक विस्तार हुआ है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को इंडक्शन चूल्हे वितरित करने, विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता एवं छात्रवृत्ति देने, एकल महिलाओं के कल्याण के लिए मासिक पेंशन तथा रक्षाबंधन पर उपहार वितरण जैसी योजनाएं संचालित की गईं।

इसके अतिरिक्त समाज की ओर से समर कैंप, महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम, आयुर्वेदिक एवं अस्थि रोग चिकित्सा शिविर तथा श्री जगन्नाथ धाम और श्रीशैलम की धार्मिक यात्राओं का आयोजन किया गया। आगामी नवरात्रि पर्व के दौरान 11 से 19 अक्टूबर तक क्लासिक कन्वेंशन-3 में निशुल्क डांडिया कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

चिमन लाल अग्रवाल के प्रयासों से हुआ आयोजन

‘प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा’ के चेयरमैन चिमन लाल सुरेश कुमार अग्रवाल के अथक प्रयासों से यह सेवा कार्यक्रम क्रियान्वित हो सका। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया थे। कार्यक्रम के प्रायोजकों में बालाजी ज्वैलर्स एंड एक्सपोर्टर्स के गोपाल अग्रवाल, दीपक स्टील की विद्या गोयल, सीता अग्रवाल, मंगतराय पर्ल्स एंड ज्वेलर्स की वंशिका गुप्ता, गोयल सैनिटरी स्टोर्स के मधुसूदन गोयल, मनोज ब्रदर्स एक्सटेंशन के शिवकुमार डालमिया, शोभा गुप्ता आदि शामिल रहे।

सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर कार्य

समाज पदाधिकारियों ने कहा कि कम समय में सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला कल्याण और सामाजिक सहभागिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना समाज की ‘किसी का पेट भरे, यही सच्ची सेवा है’ की भावना को दर्शाता है। ‘प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा’ इसी सेवा श्रृंखला को निरंतर और व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने का प्रयास है।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल, मंत्री डॉ. सीमा जैन, सहमंत्री प्रतीक नर्सारिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, परामर्शदाता बद्रीविशाल बंसल, सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा के चेयरमैन चिमन लाल सुरेश कुमार अग्रवाल सहित संदीप पटवारी, डॉ. नितेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, डॉ. अशोक केडिया, अरुण गोयल, नर्सिंग अग्रवाल, रोशन लाल मित्तल, सुभाष दीवान, कैलाश केडिया, दिनेश अग्रवाल, मेनका अग्रवाल, रवि अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, शिव कुमार डालमिया, अश्विन अग्रवाल, रवि केडिया, दिलीप पसारी, अशोक चोखानी, जितेंद्र अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

सेवा संस्कारों से मिलती है, इसे जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए : प्रीतिका अग्रवाल

हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में गुरुवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रीतिका अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव संस्कारों से मिलता है। जिस परिवार में मानवता, करुणा और जरूरतमंदों की सहायता के संस्कार दिए जाते हैं, वहां सेवा जीवन का अभिन्न हिस्सा बन जाती है।

प्रीतिका अग्रवाल ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार सेवा को जीवन का हिस्सा बना ले, तो समाज में कोई भी व्यक्ति स्वयं को अकेला और असहाय महसूस नहीं करेगा। सेवा केवल जरूरतमंदों की सहायता नहीं करती, बल्कि सेवा करने वाले व्यक्ति के जीवन में भी संतोष और सकारात्मकता का संचार करती है।

कार्यक्रम में सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, जगन गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, नंद गोपाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, प्रीतिका अग्रवाल एवं जय प्रकाश सारड़ा सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, राधे-राधे ग्रुप में मिलता है निस्वार्थ सेवा का भाव : अनिल अग्रवाल धरसुवाले

हैदराबाद। सेवा केवल शब्द नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पण का भाव है। जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने और भूखे को भोजन कराने से बड़ी सेवा कोई नहीं हो सकती। इसी सेवा और मानवता की भावना को साकार करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल अग्रवाल धरसुवाले ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप में सेवा का जो सच्चा और निस्वार्थ भाव देखने को मिलता है, वह शायद ही कहीं और देखने को मिले। उन्होंने कहा कि यहां सेवा किसी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की सहायता और मानवता को समर्पित भावना से की जाती है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल भोजन वितरण नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने और मानवता की सेवा करने का श्रेष्ठ माध्यम है। जब कोई व्यक्ति अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की मदद करता है तो वह समाज में सकारात्मक सोच और सेवा संस्कार को मजबूत करता है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य इसी भावना के साथ निरंतर सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं।इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, अरुण विजयवर्गीय सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सीएसआईआर-आईआईसीटी ने किया तीसरे वार्षिक डॉ. यू.टी. भालेराव स्मारक व्याख्यान का आयोजन

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी) में 3 सितंबर को संस्थान के पूर्व प्रतिष्ठित वैज्ञानिक स्व. डॉ. यू.टी. भालेराव की जयंती के अवसर पर तीसरे वार्षिक ’डॉ. यू.टी. भालेराव स्मारक व्याख्यान’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ’बीएएसएफ केमिकल्स इंडिया’ के निदेशक डॉ. रामकृष्णन वल्लीनायगम थे। उन्होंने ‘‘फ्लास्क टू फील्ड - मॉडर्न क्रॉप प्रोटेक्शन डिस्कवरी ट्रेंड्स एंड अपॉर्चुनिटीज फॉर एकेडेमिया-इंडस्ट्री कोलैबोरेशन‘‘ विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बढ़ती वैश्विक आबादी के मद्देनजर टिकाऊ और प्रभावी फसल सुरक्षा समाधानों की आवश्यकता पर बल दिया तथा प्रयोगशाला से खेत तक अनुसंधान को पहुंचाने के लिए अकादमिक संस्थानों और उद्योगों के बीच मजबूत साझेदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी, डॉ. भालेराव के परिजन, पूर्व वैज्ञानिक और शोधार्थी उपस्थित रहे। व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों और छात्रों ने फसल सुरक्षा तकनीक और अनुसंधान के भविष्य पर अपने विचार साझा किए।

श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट बोर्ड की नई कार्यकारिणी ने संभाला कार्यभार

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो):

नामपल्ली गुड्स शेड स्थित श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट बोर्ड के नवनियुक्त कार्यकारिणी सदस्यों ने बुधवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर के सर्वांगीण विकास और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया।

शपथ ग्रहण समारोह मंदिर परिसर में ही संपन्न हुआ। कार्यक्रम में चेल्लापल्ली श्री रामचंद्रमूर्ति ने मंदिर समिति के अध्यक्ष (चेयरमैन) के रूप में कार्यभार संभाला। उनके साथ प्रवीण पिल्लई, पिल्ली गुरुमूर्ति, काटेपगा अनिल बाबू और कंदीकांति संध्यारानी ने सदस्य के रूप में पदभार ग्रहण किया।

श्रद्धालुओं की सुविधाओं और धार्मिक जागरूकता पर जोर

इस अवसर पर बोलते हुए नए गवर्निंग बॉडी सदस्यों ने कहा कि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि लोगों के बीच आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाने और भक्ति भावना को बढ़ावा देने के लिए मंदिर परिसर में कई धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सरकारी सहयोग और शीर्ष नेताओं के प्रति जताया आभार

सदस्यों ने कहा कि वे मंदिर के विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दों को राज्य सरकार के संज्ञान में लाएंगे और सुविधाओं में और अधिक सुधार के लिए सरकार से पूर्ण सहयोग की मांग करेंगे।

नवगठित समिति ने गवर्निंग बॉडी के सदस्य के रूप में सेवा करने का अवसर प्रदान करने के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेता फिरोज खान, बंदोबस्त (एंडोमेंट्स) विभाग के उपायुक्त विनोद और सहायक आयुक्त कृष्णा का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में एंडोमेंट्स विभाग की निरीक्षक सुरेखा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई।

तेलंगाना राज्य आरेकटिका चुनाव समिति ने अध्यक्ष पद के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की

हैदराबाद में 2 अक्टूबर 2026 को होगी वोटिंग 7 सितंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना अरेकटिका ट्रस्ट और तेलंगाना राज्य आरेकटिका चुनाव समिति ने संयुक्त रूप से तेलंगाना राज्य अरेकटिका संघ अध्यक्ष चुनाव 2026 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। यह चुनाव शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 (गांधी जयंती) को हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। मतदान सुबह 8:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चलेगा, और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे।

चुनाव समिति ने कहा है कि चुनावी प्रक्रिया समिति द्वारा जारी नियमों, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुसार शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित की जाएगी। निर्वाचित अध्यक्ष का कार्यकाल चार साल का होगा।

चुनाव कार्यक्रम और महत्वपूर्ण तिथियां

नामांकन फॉर्म जारी करने की तिथि: 7 सितंबर 2026

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि: 12 सितंबर 2026 (शाम 5:00 बजे तक)

नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि: 15 सितंबर 2026 (शाम 5:00 बजे तक)

उम्मीदवारों की अंतिम सूची और चुनाव चिन्हों का आवंटन: 17 सितंबर 2026 (शाम 5:00 बजे)

मतदान की तिथि: 2 अक्टूबर 2026 (सुबह 8:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक)

परिणाम की घोषणा: 2 अक्टूबर 2026 (उसी दिन)

उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद, चुनाव समिति द्वारा सभी चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को अंतिम मतदाता सूची और आवंटित चुनाव चिन्ह प्रदान किए जाएंगे।

उम्मीदवारी के नियम और नामांकन शुल्क

तेलंगाना राज्य अरेकटिका संघ के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति का नाम चुनाव समिति द्वारा जारी आधिकारिक मतदाता सूची में दर्ज होना अनिवार्य है।

प्रत्येक नामांकन को दो पंजीकृत मतदाताओं द्वारा प्रस्तावित और समर्थित किया जाना चाहिए, और प्रस्तावक तथा समर्थक दोनों के नाम चुनाव समिति द्वारा जारी आधिकारिक मतदाता सूची में दर्ज होने चाहिए। इसके साथ ही, नामांकन शुल्क 11,000/- (केवल ग्यारह हजार रुपये) तय किया गया है, जो अप्रतिदेय होगा।

चुनाव समिति ने चुनाव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी उम्मीदवारों, उनके प्रतिनिधियों और मतदाताओं से समय-समय पर जारी नियमों, दिशानिर्देशों, निर्देशों और निर्णयों का कड़ाई से पालन करने का अनुरोध किया है।

पुराने शहर के विकास के लिए राजनीति से ऊपर उठकर काम करेंगे : रेवंत रेड्डी

चंचलगुडा-संतोषनगर स्टील फ्लाईओवर का उद्घाटन, डिग्री कॉलेज के लिए 25 करोड़ रुपये मंजूर

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भरोसा दिलाया कि वे राजनीति से ऊपर उठकर हैदराबाद के ऐतिहासिक पुराने शहर के सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार हैदराबाद को देश के सबसे विकसित प्रमुख शहरों में शामिल करने के संकल्प के साथ काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने चंचलगुडा और संतोषनगर को जोड़ने वाले 3.2 किलोमीटर लंबे स्टील फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। इसके बाद चंचलगुडा गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पुराने शहर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

रेवंत रेड्डी ने चंचलगुडा डिग्री कॉलेज के विकास के लिए 25 करोड़ रुपये मंजूर करने की घोषणा की। उन्होंने मलकपेट के विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला को परियोजना की निगरानी करने का निर्देश दिया, ताकि इसे अगले डेढ़ वर्ष में पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री ने संबंधित सरकारी आदेश एक महीने के भीतर जारी करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा प्रस्तावित सभी विकास कार्यों को मंजूरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास के लिए जो भी आवश्यक होगा, सरकार उस पर खर्च करने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मीर आलम टैंक को 500 करोड़ रुपये की लागत से एक शानदार पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने आरामघर और शास्त्रीपुरम में फ्लाईओवर के पूरा होने का भी उल्लेख किया। साथ ही पुराने शहर में भूमिगत केबलिंग और सड़क बुनियादी ढांचे से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी।

दिसंबर से गौलीगुडा-चंद्रायनगुट्टा मेट्रो विस्तार का काम

रेवंत रेड्डी ने कहा कि गौलीगुडा से चंद्रायनगुट्टा तक मेट्रो रेल विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने घोषणा की कि इस परियोजना का काम इसी वर्ष दिसंबर में शुरू कर दिया जाएगा।

दो महिला पत्रकारों ने दिल्ली पुलिस पर अस्पताल कार्यक्रम में मारपीट का लगाया आरोप, पुलिस ने आरोपों को बताया गलत

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में गुरुवार को एक निजी अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम को कवर करने पहुंचीं दो महिला पत्रकारों ने दिल्ली पुलिस पर उन्हें हिरासत में लेकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों से इनकार किया है। पुलिस की ओर से इस संबंध में एक्स पर जारी किया गया एक पोस्ट बाद में हटा दिया गया।

पत्रकारों ने शरीर पर चोट के निशान दिखाए

4पीएम न्यूज नेटवर्क की ओर से एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में पत्रकार शाहीन और नफीसा खान के हाथों और पैरों पर चोट के निशान दिखाई दिए। वीडियो में शाहीन ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री और दिल्ली की मुख्यमंत्री से सवाल पूछने तथा दोनों के मुस्लिम होने के कारण उन्हें इस तरह की कार्रवाई का सामना करना पड़ा।

दिल्ली पुलिस ने आरोपों का खंडन करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि दोनों महिलाओं ने कार्यक्रम स्थल के पास अपनी स्कूटी खड़ी कर निर्धारित वीवीआईपी मार्ग को बाधित किया था। पुलिस के अनुसार, वाहन हटाने और मार्ग खाली करने के लिए बार-बार अनुरोध एवं निर्देश दिए जाने के बावजूद दोनों ने पालन नहीं किया। वीवीआईपी मार्ग की सुरक्षा और सुरक्षा प्रोटोकॉल को देखते हुए दोनों महिलाओं को आगे की पूछताछ के लिए स्थानीय पुलिस थाने ले जाया गया।

पुलिस के हटाए गए पोस्ट में कहा गया था, दो महिलाओं ने कार्यक्रम स्थल के पास अपनी स्कूटी खड़ी कर निर्धारित वीवीआईपी मार्ग को बाधित किया था। वाहन हटाने और मार्ग खाली करने के लिए बार-बार अनुरोध एवं निर्देश दिए जाने के बावजूद उन्होंने पालन नहीं किया। वीवीआईपी मार्ग की सुरक्षा और सुरक्षा प्रोटोकॉल के मद्देनजर दोनों महिलाओं को आगे की पूछताछ के लिए स्थानीय पुलिस थाने ले जाया गया। पुलिस ने आगे कहा था कि मुख्यमंत्री से सवाल पूछने के कारण मारपीट किए जाने के आरोप पूरी तरह गलत, भ्रामक और निराधार हैं। हालांकि, दिल्ली पुलिस का यह पोस्ट बाद में एक्स से हटा दिया गया।

प्रेस संगठनों और विपक्षी दलों ने जताया विरोध

घटना को लेकर प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया, इंडियन विमेंस प्रेस कॉर्प्स और दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स सहित कई संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दलों ने भी घटना की आलोचना की है। कुछ संगठनों और विपक्षी नेताओं ने साकेत पुलिस थाने में शाहीन के साथ कथित तौर पर की गई धर्म-विशेष संबंधी अभद्र टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है।

द प्रिंट ने दिल्ली पुलिस के एक प्रतिनिधि से इस मामले में प्रतिक्रिया मांगी है। प्रतिक्रिया मिलने पर रिपोर्ट को अपडेट किया जाएगा।

शाहीन ने द प्रिंट को बताया कि वह सुबह मैक्स साकेत अस्पताल के आसपास टहलने गई थीं। वहां उन्हें गृह मंत्री के कार्यक्रम के लिए किए जा रहे वीवीआईपी इंतजामों की जानकारी मिली। चूंकि यह क्षेत्र उनके कवरेज क्षेत्र में आता था, इसलिए वह बाद में समाचार कवरेज के लिए वहां पहुंचीं।

शाहीन ने कहा, मैंने अपने वीडियो में कहा था कि सरकार के पास एक निजी अस्पताल का दौरा करने और उसके उद्घाटन में शामिल होने का समय है, लेकिन सरकारी अस्पतालों की स्थिति पर ध्यान देने का समय नहीं है।

पुलिस पर फोन छीनने और मारपीट का आरोप

निजी अस्पताल के बाहर सुरक्षा व्यवस्था की रिकॉर्डिंग करते समय शाहीन ने कहा कि उन्होंने सरकारी अस्पतालों की उपेक्षा का मुद्दा उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सवाल पूछने और मुस्लिम महिला होने के कारण पुलिस ने उन्हें गलत तरीके से हिरासत में लिया और उनके साथ मारपीट की।शाहीन ने आरोप लगाया, उन्होंने मेरा फोन छीन लिया, हमें हिरासत में लिया और साकेत पुलिस थाने ले गए। इसके बाद एक महिला पुलिस अधिकारी ने मुझे कई बार थप्पड़ मारे। फिर हमें अंदर एक कमरे में ले जाया गया और बेरहमी से पीटा गया।उन्होंने आगे आरोप लगाया कि उन्हें प्राथमिकी दर्ज करने की धमकी दी गई और पानी तक नहीं दिया गया।

शाहीन के अनुसार, जब उनके फोन पर एक कॉल आया तो एक महिला कांस्टेबल ने स्क्रीन पर दिखाई दे रहे मुस्लिम नाम वाले संपर्क नंबर को देखा और उनसे पूछा कि क्या वह मुस्लिम हैं। शाहीन ने बताया कि जब उन्होंने खुद को मुस्लिम बताया तो महिला कांस्टेबल का व्यवहार उनके प्रति और अधिक कठोर हो गया।

परिजनों और सहयोगियों से संपर्क के बाद मिली राहत

पत्रकार के अनुसार, करीब एक घंटे बाद उन्हें राहत मिली, जब वह कमरे से बाहर निकलने में सफल हुईं और अपने परिवार तथा सहयोगियों से संपर्क किया। इसके बाद दोनों महिलाओं को चिकित्सकीय-कानूनी जांच के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली ले जाया गया।बाद में दक्षिण दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने एक्स पर पत्रकार के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक बताया।

मामले में दोनों पक्षों के दावों के बीच पुलिस की कार्रवाई, पत्रकारों के आरोप और कथित मारपीट को लेकर विवाद जारी है। दिल्ली पुलिस की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया मिलने के बाद मामले की तस्वीर और स्पष्ट हो सकती है।

रैपिडो- पोर्टर से पहुंच रही थीं प्रतिबंधित ई-सिगरेट !

माधापुर में 1.5 करोड़ रुपये का माल जब्त, आईटी कर्मचारियों और छात्रों को बनाया जा रहा था निशाना

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के आईटी कॉरिडोर में प्रतिबंधित सिगरेट की ऑनलाइन डिलीवरी का एक नया तरीका सामने आया है। माधापुर में ईगल फोर्स पुलिस की कार्रवाई में करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित सिगरेट जब्त की गई हैं। पुलिस ने मामले में अबूबकर और रमीज नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि रमीज ने अकेले एक महीने में करीब 1.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी सड़क किनारे या दुकानों के माध्यम से बिक्री नहीं कर रहे थे। उनका मुख्य लक्ष्य माधापुर, गाचीबोवली और हाईटेक सिटी क्षेत्र के सॉफ्टवेयर कर्मचारी और छात्र थे। इन इलाकों में रहने वाले युवा पेशेवरों को ऑनलाइन माध्यम से प्रतिबंधित सिगरेट उपलब्ध कराई जा रही थी।

आरोपी व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम के माध्यम से ऑर्डर लेते थे। इसके बाद डिलीवरी के लिए रैपिडो और पोर्टर जैसी सेवाओं का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस के अनुसार, डिलीवरी करने वाले व्यक्ति को पैकेट के अंदर की सामग्री की जानकारी नहीं होती थी। पैकेट कार्यालयों, पीजी और अपार्टमेंट तक पहुंचाए जाते थे। इस तरह आरोपियों का ग्राहकों से सीधा संपर्क भी कम हो जाता था।

जांच में पता चला कि प्रतिबंधित सिगरेट दिल्ली और अन्य राज्यों से कम कीमत पर तस्करी के जरिए हैदराबाद लाई जाती थीं। यहां प्रतिबंध और मांग अधिक होने के कारण इन्हें कई गुना अधिक कीमत पर बेचा जाता था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही है। जांच का मुख्य फोकस दिल्ली और अन्य राज्यों से माल की आपूर्ति करने वालों तथा हैदराबाद में इसके वितरण नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान पर है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि ऑनलाइन ऑर्डर लेने और डिलीवरी कराने वाले इस नेटवर्क में और कितने लोग शामिल हैं।

डीएससी-2026 में हिंदी अध्यापकों की नियुक्ति की मांग

प्राथमिक विद्यालयों में पहली कक्षा से हिंदी पढ़ाने की व्यवस्था करने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और शिक्षा मंत्री लोकेश से आग्रह

विजयवाड़ा, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश में वर्ष 2026 में होने वाली अध्यापक भर्ती परीक्षा (डीएससी) के माध्यम से आवश्यकतानुसार हिंदी अध्यापकों की नियुक्ति करने तथा प्राथमिक विद्यालयों में भी हिंदी अध्यापकों के पद स्वीकृत कर पहली कक्षा से हिंदी पढ़ाने की व्यवस्था करने की मांग की गई है। इस संबंध में हिंदी सेवा सदन महाविद्यालय के संस्थापक एवं प्रधान सचिव तथा केंद्र सरकार के सहकारिता एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य एस. गैबुवली ने मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू और शिक्षा मंत्री नारा लोकेश को अलग-अलग पत्र भेजकर आग्रह किया है।

उन्होंने अपने पत्रों में कहा कि वर्ष 2026 की डीएससी में आंध्र प्रदेश सरकार के अधीन संचालित सरकारी, नगर पालिका, जिला परिषद, मंडल परिषद, मॉडल स्कूल, बीसी कल्याण, एससी कल्याण, जनजातीय कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण विद्यालयों, केजीबीवी, सहायता प्राप्त तथा अन्य विद्यालयों में अन्य विषयों के अध्यापकों की नियुक्ति के समान हिंदी अध्यापकों की भी नियुक्ति की जानी चाहिए।

प्राथमिक स्तर से हिंदी सीखने का मिले अवसर

गैबुवली ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी अध्यापकों की नियुक्ति होने से आंध्र प्रदेश के विद्यार्थियों को पहली कक्षा से ही हिंदी सीखने का अवसर मिलेगा। इससे विद्यार्थियों को देश के विभिन्न राज्यों में शिक्षा और रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि हिंदी देश के विभिन्न हिस्सों में संपर्क की महत्वपूर्ण भाषा है, इसलिए बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही हिंदी का ज्ञान दिया जाना उपयोगी होगा।

2025 की मेगा डीएससी के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वादे के अनुरूप आंध्र प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025 में मेगा डीएससी अधिसूचना के माध्यम से अध्यापक नियुक्तियां की हैं। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया।

गैबुवली ने बताया कि आंध्र प्रदेश जैसे गैर-हिंदी भाषी राज्य में संचालित विद्यालयों में छठी कक्षा से हिंदी को एक पाठ्य विषय के रूप में पढ़ाया जाता रहा है। अब शैक्षणिक वर्ष 2026-27 में पांचवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में भी हिंदी को शामिल किया गया है। उन्होंने इसके लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

विदेशों में भी हिंदी के अध्ययन और रोजगार के अवसर

एस. गैबुवली ने कहा कि यदि प्राथमिक स्तर से ही विद्यार्थी हिंदी सीखते हैं तो उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में रोजगार प्राप्त करने में सुविधा होगी। इसके अलावा विदेशों में भी हिंदी के अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अनेक विदेशी विद्यालयों में हिंदी को ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ने का अवसर दिया जाता है और विदेशों के सैकड़ों विश्वविद्यालयों में हिंदी के विभाग संचालित हो रहे हैं। ऐसे में हिंदी का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए देश के साथ-साथ विदेशों में भी शिक्षा और रोजगार के नए अवसर खोल सकता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से आग्रह किया कि वर्ष 2026 की डीएससी में विद्यालयों की आवश्यकता के अनुसार हिंदी अध्यापकों के पद शामिल किए जाएं तथा प्राथमिक विद्यालयों में भी हिंदी अध्यापकों की नियुक्ति की जाए, ताकि आंध्र प्रदेश के विद्यार्थियों को प्रारंभिक शिक्षा से ही हिंदी सीखने का अवसर मिल सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.